संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-22 अंक- 237
पृष्ठ 8
रविवार
17 मई 2026
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- नो केमिकल! हल्दी-लौंग वाले...

विचार- नीट पेपर लीक यानी ख्वाबों से...

खेल- ऑरेंज कैप की दौड़ में क्लासेन...

नीदरलैंड में बोले मोदी

भारत अवसरों की भूमि, भारतीय समुदाय से निवेश और सहयोग का किया आह्वान

द हेग (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 21 वीं सदी के भारत को अवसरों की भूमि बताते हुए नीदरलैंड में भारतीय समुदाय से भारत में निवेश तथा सहयोग बढाने का आह्वान किया और विश्वास जताया कि विकसित भारत की यात्रा में वैश्विक भारतीय समुदाय की बड़ी भूमिका होगी। पांच देशों की यात्रा के दूसरे चरण में दो दिन की यात्रा पर शुक्रवार रात यहां पहुंचे श्री मोदी ने शनिवार को भारतीय समुदाय के लोगों से मुलाकात की । भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए उन्होंने उन लोगों को दोनों देशों के संबंधों की असली ताकत तथा जीवंत सेतु करार दिया और कहा कि सरकार ने

सूरीनामी हिंदुस्तानी समाज के लिए ओसीआई कार्ड पात्रता चौथी पीढ़ी से बढ़ाकर छठी पीढ़ी तक कर दी है।

श्री मोदी ने आर्थिक, प्रौद्योगिकी क्षेत्र और लोकतांत्रिक उपलब्धियों को रेखांकित किया तथा उन लोगों से भारत–नीदरलैंड संबंधों को नई ऊंचाई देने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि भारत आज ष्असीम आकांक्षाओंष और ष्असीम प्रयासोंष के साथ दुनिया की अग्रणी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि नीदरलैंड के नेताओं ने हमेशा भारतीय प्रवासी समुदाय की प्रशंसा की है और यहां रह रहे भारतीय डच समाज के लोग अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने भारतीय प्रवासियों की सांस्कृतिक जड़ों की सराहना करते हुए कहा कि पीढ़ियां बदलने और देशों की सीमाएं बदलने के बावजूद भारतीयों ने अपनी भाषा, संस्कृति, त्योहार और परंपराओं को जीवित रखा है। उन्होंने कहा कि भारतीय समुदाय केवल प्रवास की कहानी नहीं बल्कि संघर्ष, संस्कृति और प्रगति की जीवंत मिसाल है।

भारत की विकास यात्रा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है। उन्होंने बताया कि 2014 में भारत में केवल चार यूनिकॉर्न थे जबकि आज यह संख्या करीब 125 तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रक्षा, अंतरिक्ष और सेमीकंडक्टर क्षेत्रों में भारतीय स्टार्टअप वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं।

गरीबों के इलाज में भरपूर मदद करेगी सरकार : योगी

गोरखपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर प्रवास के दौरान शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में गंभीर बीमारियों के इलाज में मदद की गुहार लेकर आए लोगों को आश्वस्त किया कि उपचार कराने में सरकार भरपूर मदद करेगी और इसके लिए मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से धनराशि दी जाएगी।

मुख्यमंत्री गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान करीब 200 लोगों से मिले। कुर्सियों पर बैठाए गए लोगो तक जाकर उनकी समस्याओं को सुना। उनके प्रार्थना पत्र लिए और पास में खड़े अधिकारियों को समस्या समाधान हेतु आवश्यक दिशानिर्देश दिए। अलग.अलग मामलों से जुड़े समस्याओं के निस्तारण के लिए उन्होंने संबंधित प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को प्रार्थना पत्र संदर्भित कर निर्देशित किया कि सभी समस्याओं का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और संतोषप्रद होना चाहिए।

जनता दर्शन में कई लोग गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक मदद का अनुरोध करने आए थे। एक महिला ने अपने बच्चे के इलाज में आर्थिक दिक्कत और आयुष्मान कार्ड न होने की समस्या बताई। इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि चिंता मत करिए। बच्चे का इलाज जरूर होगा। आयुष्मान कार्ड बनवाएंगे और विवेकाधीन कोष से इलाज में आर्थिक सहायता देंगे। एक अन्य महिला को भी उन्होंने इन्हीं शब्द भावों का आत्मीय संबल दिया। इलाज संबंधी प्रार्थना पत्रों को अधिकारियों को हस्तगत करते हुए योगी ने कहा कि इस्टीमेट की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कर शासन को उपलब्ध करा दें।

अपराध व जमीन कब्जा किए जाने से संबंधी शिकायतों पर मुख्यमंत्री योगी पुलिस अधिकारियों को अपराधियों व भू माफिया के खिलाफ सख्त एक्शन लेने के निर्देश दिए। जनता दर्शन में कुछ महिलाएं अपने बच्चों को लेकर आई थीं। मुख्यमंत्री ने इन बच्चों को खूब दुलारा और चॉकलेट के साथ आशीर्वाद दिया।

182 करोड़ की जिहादी ड्रग जब्त, अमित शाह बोले- बाहर भेजे जाने वाले हर एक ग्राम नशीले पदार्थ पर जारी रहेगी सख्त कार्रवाई

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने ड्रग्स के खिलाफ अपनी सबसे बड़ी कार्रवाइयों में से एक को अंजाम देते हुए पहली बार जिहादी ड्रग कहे जाने वाले कैप्टागन की बड़ी खेप जब्त की है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोशल मीडिया

प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि ऑपरेशन रेजपिल के तहत एजेंसियों ने 182 करोड़ रुपए कीमत की कैप्टागन ड्रग बरामद की है। इस कार्रवाई में एक विदेशी नागरिक को भी गिरफ्तार किया गया है। अमित शाह ने कहा कि केंद्र सरकार श्ड्रग–फ्री इंडियाश के संकल्प के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने इस कार्रवाई को भारत की जीरो टॉलरेंस नीति का मजबूत उदाहरण बताया। अमित शाह ने कहा कि भारत अपनी जमीन का इस्तेमाल ड्रग्स की तस्करी के लिए किसी भी हाल में नहीं होने देगा और देश में आने या यहां से बाहर भेजे जाने वाले हर एक ग्राम नशीले पदार्थ पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) की टीम की सराहना करते हुए उन्हें बहादुर और सतर्क योद्धा बताया। ऑपरेशन रेजपिल को एनसीबी द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चलाया गया एक बड़ा अभियान माना जा रहा है, जिसका मकसद अवैध ड्रग्स नेटवर्क को तोड़ना है। कैप्टागन असल में फेनेथिलिन नामक एम्फेटामिन आधारित ड्रग का रूप है। मिडिल ईस्ट के युद्धग्रस्त इलाकों और आतंकी संगठनों के लड़ाकों के बीच इसके इस्तेमाल की वजह से इसे जिहादी ड्रग कहा जाता है। जानकारी के मुताबिक, इस ड्रग का सेवन करने के बाद इंसान को दर्द, डर या थकान का एहसास कम हो जाता है। यही वजह है कि इसे लड़ाई और हिंसक गतिविधियों में इस्तेमाल किया जाता रहा है। सुरक्षा एजेंसियों का मानना है कि इस तरह की ड्रग्स न केवल युवाओं को बर्बाद करती हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय अपराध और आतंक नेटवर्क को भी बढ़ावा देती हैं।

परजीवी टिप्पणी पर सीजेआई सूर्यकांत ने दी सफाई, बोले, बयान को गलत मरोड़, देश के युवाओं पर मुझे गर्व है

नयी दिल्ली, एजेंसी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने शनिवार को अपने परजीवी संबंधी बयान पर कड़े शब्दों में स्पष्टीकरण जारी करते हुए कहा कि मीडिया में आई खबरों से उन्हें दुख हुआ है, जिनमें कहा गया था कि उन्होंने युवाओं की आलोचना की है। प्रधान न्यायाधीश ने एक

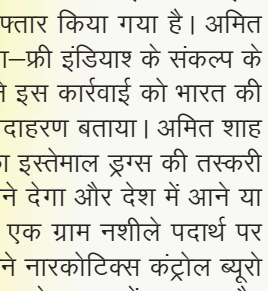

बयान में कहा, मुझे यह पढ़कर दुख हुआ कि मीडिया के एक वर्ग ने कल एक हल्के मामले की सुनवाई के दौरान मेरे द्वारा की गई मौखिक टिप्पणी को गलत तरीके से उद्धृत किया है। न्यायमूर्ति सूयकांत ने रेखांकित किया कि उनकी टिप्पणियां विशेष रूप से उन व्यक्तियों को लक्षित थीं जो नकली और फर्जी डिग्रियों के माध्यम से कानूनी पेशे में प्रवेश कर रहे थे और मीडिया के एक वर्ग द्वारा उन्हें गलत तरीके से उद्धृत किया गया। यह स्पष्टीकरण शुक्रवार को एक मामले की सुनवाई को लेकर हुए विवाद के बाद आया है। प्रधान न्यायाधीश ने वरिष्ठ पद की मांग करने वाली याचिका पर एक वकील को फटकार लगाते हुए परजीवी और कॉकरोच जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया था। सीजेआई सूर्यकांत ने अपनी टिप्पणी को लेकर उत्पन्न विवाद पर सफाई देते हुए कहा, मैंने विशेष रूप से उन लोगों की आलोचना की थी जिन्होंने फर्जी और जाली डिग्रियों की मदद से बार (कानूनी पेशा) जैसे व्यवसायों में प्रवेश किया है।

राहुल का केंद्र पर बड़ा हमला, कहा

पेपर लीक गठजोड़ का नतीजा, शिक्षा मंत्री से इस्तीफे की मांग

नई दिल्ली, एजेंसी। मेडिकल प्रवेश परीक्षा में हुए कथित घोटाले को लेकर देश भर में मचा बवाल थमता नजर नहीं आ रहा है। इस संवेदनशील मुद्दे पर अब राजनीति पूरी तरह गरमा गई है। लाखों छात्रों के भविष्य पर खतरा मंडरा रहा है। इस बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर अपनी बात रखी है। राहुल गांधी ने साफ तौर पर कहा कि यह पेपर लीक कोई साधारण चूक या प्रशासनिक गलती नहीं है। यह भारतीय जनता पार्टी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से सिस्टम में बिठाए गए अयोग्य प्रोफेसर्स के गठजोड़ का नतीजा है।

> पेपर लीक कोई साधारण चूक या प्रशासनिक गलती नहीं है। यह भाजपा और संघ के द्वारा बिठाए गए अयोग्य शिक्षकों के गठजोड़ का नतीजा है। नीट के 22 लाख बच्चों के साथ धोखा हुआ है। पर मोदी जी एक शब्द भी नहीं बोल रहे। धर्मेंद्र प्रधान जी को अभी हटाइए, या जवाबदेही खुद लीजिए।
>
> राहुल गांधी, नेता प्रतिपक्ष, लोकसभा

विचारधारा के कारण सिस्टम हुआ खोखलारू राहुल गांधी

राहुल गांधी ने यह गंभीर आरोप ऐसे समय में आया है जब देश के कोने–कोने से छात्र और उनके अभिभावक चिलचिलाती धूप में सड़कों पर उतर कर न्याय की गुहार लगा रहे हैं। कांग्रेस नेता का कहना है कि वर्तमान सरकार ने देश के सभी प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों और परीक्षा कराने वाली एजेंसियों पर अपनी विचारधारा वाले लोगों को काबिज कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मेरिट और योग्यता को पूरी तरह दरकिनार कर दिया गया है। जब सिर्फ निष्ठा के आधार पर नियुक्तियां की जाती हैं, तो पूरा सिस्टम खोखला हो जाता है। एनटीए जैसी प्रतिष्ठित संस्थाओं का फेल होना इसी मिलीभगत का परिणाम है। इसी वजह से आज 24 लाख से अधिक होनहार युवाओं के सपनों को चकनाचूर होना पड़ा है। छात्रों के आंसुओं के बीच यह राजनीतिक बयान अब एक बड़े राष्ट्रव्यापी आंदोलन की शक्ल ले रहा है।

यह विवाद लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। अब यह पूरा मामला देश की सर्वोच्च अदालत की दहलीज पर पहुंच चुका है। सुप्रीम कोर्ट में दायर कई याचिकाओं पर लगातार सुनवाई हो रही है। अदालत के आदेश पर ग्रेस मार्क्स वाले छात्रों की परीक्षा रद्द कर दोबारा एग्जाम कराने का फैसला आ चुका है। इसके बावजूद असली बवाल मूल पेपर लीक को लेकर बना हुआ है। इस बीच देश के कई राज्यों में पुलिस ने पेपर लीक गैंग के गुर्गों को गिरफ्तार किया है।

अक्षम हैं शिक्षा मंत्री, इस्तीफा दें धर्मेंद्र प्रधान : खरगे

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मेडिकल कॉलेजों में प्रवेश के लिए आयोजित नीट परीक्षा के पेपर लीक होने और इस वजह से छात्रों की आत्महत्या की खबरों को लेकर मोदी सरकार पर हमला किया और कहा कि यह सब शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान की अक्षमता का परिणाम है इसलिए उन्हें तत्काल अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। श्री खरगे ने शनिवार को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि मोदी सरकार का श्अमृत कालश भर्ती और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्रों के लिए श्मृत कालश साबित हो रहा है। उन्होंने कहा कि खबरों के अनुसार नीट पेपर लीक से उत्पन्न तनाव और सदमे के कारण कई छात्र–छात्राओं ने आत्महत्या जैसा कदम उठाया है, जो अत्यंत दुखद और चिंताजनक है। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि देश में मोदी सरकार के कार्यकाल में 90 से अधिक पेपर लीक की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिससे करोड़ों छात्र और उनके परिवार प्रभावित हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि बेरोजगारी की समस्या के बीच भाजपा संरक्षित श्पेपर लीक माफियाश युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ कर रहा है और सरकार की निष्पक्ष एवं पारदर्शी परीक्षा कराने की व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर नीट पेपर लीक और छात्रों की आत्महत्या के मुद्दे पर चुप्पी साधने का आरोप लगाते हुए कहा कि 2024 के नीट पेपर लीक मामले में जिन अधिकारियों पर सवाल उठे, उन्हें दंडित करने के बजाय महत्वपूर्ण पद दिए गए। श्री खरगे ने कहा कि स्थिति इतनी गंभीर हो चुकी है कि दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन ने भी केंद्रीय शिक्षा मंत्री को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा कि अब श्पानी सिर के ऊपर जा चुका हैश इसलिए शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को तत्काल इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने श्री मोदी से श्परीक्षा–लीक पर चर्चाश करने की मांग करते हुए कहा कि चुप रहने से समस्या का समाधान नहीं होगा।

'परीक्षा पर चर्चा' नहीं 'परीक्षा की समीक्षा' की है जरूरत : कांग्रेस

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने शिक्षा व्यवस्था को लेकर मोदी सरकार पर आरोप लगाया है

कि सरकार का शिक्षा तंत्र अक्षमता, राजनीतिक पक्षपात और भ्रष्टाचार से ग्रस्त है और समय श्परीक्षा पर चर्चाश नहीं बल्कि श्परीक्षा की समीक्षाश का है।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश ने शनिवार को यहां एक बयान में कहा कि मोदी सरकार का शिक्षा तंत्र श्तीसरे दर्जे की औसत अकादमिक सोच रखने वाले लोगोंश से भरा हुआ है, जिसने पिछले कुछ वर्षों में खुद को बेहद अक्षम, राजनीतिक रूप से पक्षपाती और भ्रष्ट साबित किया है। उन्होंने कहा कि परीक्षा को लेकर हर महीने कोई न कोई नया संकट सामने आता है, जिनमें एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तक विवाद, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के कुलपतियों की नियुक्ति संबंधी मसौदा नियम, लगातार पेपर लीक, एनएएसी रिश्वतखोरी प्रकरण, आईसीएचआर घोटाला, समग्र शिक्षा निधि को कथित रूप से असंवैधानिक तरीके से रोकना, कई केंद्रीय विश्वविद्यालयों में अनुपस्थित कुलपतियों की नियुक्ति और शिक्षकों के बड़े पैमाने पर रिक्त पद शामिल हैं।

400 किमी दूर अचूक वार : सीडीएस अनिल चौहान बोले- ऑपरेशन सिंदूर में दिखा तकनीक का दमय पहली बार हुआ ऐसा सटीक युद्ध

नई दिल्ली, एजेंसी। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने भारतीय सेना के बदलते स्वरूप को लेकर एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने अपने पुराने अनुभवों को याद करते हुए सेना के मानवीय चेहरे और आधुनिक युद्ध कौशल दोनों पर खुलकर चर्चा की। जनरल चौहान ने दो घटनाओं का जिक्र किया। सीडीएस ने बताया कि उन्होंने मणिपुर के सेनापति जिले में 59वीं ब्रिगेड और बारामूला में 19वीं ब्रिगेड की कमान संभाली थी। यह दोनों ही इलाके उग्रवाद से बुरी तरह प्रभावित रहे हैं। जनरल चौहान के अनुसार, यह पूरी तरह जनता पर केंद्रित संघर्ष था। ऐसे संवेदनशील इलाकों में मानवीय भूगोल बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा कि आज 15 से

20 साल बीत जाने के बाद भी वहां के लोग उन्हें याद करते हैं। लोग आज भी उन्हें फोन करते हैं। वह दोबारा लोगों से जुड़ने के लिए बारामूला भी गए थे। हालांकि, वह सेनापति जिला नहीं जा सके, जिसकी उन्हें दिली तमन्ना थी। इसके साथ ही उन्होंने उत्तराखंड के सीमांत क्षेत्र में नेलांग और जादुंग जैसे दो गांवों को फिर से बसाने पर भी खुशी जाहिर की। जनरल अनिल चौहान ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बेहद महत्वपूर्ण बातें कहीं। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अतीत में लड़े गए सभी युद्धों से बिल्कुल अलग है। यह ऑपरेशन आज भी जारी है। इतिहास में पहली बार यह एक वास्तविक मल्टी–डोमेन ऑपरेशन था। इसका मतलब है कि सेना के तीनों अंगों ने एक साथ बेहद सटीक तालमेल के साथ काम किया। यह बड़े पैमाने पर श्नॉन–कॉन्टैक्ट वॉरफेयरश यानी बिना आमने–सामने आए लड़ा जाने वाला युद्ध था। इस ऑपरेशन में अंतरिक्ष और साइबर जैसी आधुनिक तकनीकों का भरपूर इस्तेमाल किया गया। जनरल चौहान ने बताया कि भले ही यह मुख्य सैन्य कार्रवाई केवल 88 घंटे चली, लेकिन इसके लिए बहुत बड़े स्तर पर समन्वय की जरूरत थी। इसमें थल सेना, वायु सेना और नौसेना के साथ–साथ सरकार के अन्य विभागों और विभिन्न एजेंसियों ने मिलकर काम किया। यह एक बेहद सुनियोजित ऑपरेशन था। सीडीएस ने कहा कि इस ऑपरेशन में जीत के पैमाने भी पूरी तरह अलग थे।

विवाहिता की संदिग्ध अवस्था में मौत मायके वालों ने लगाया दहेज हत्या का आरोप

प्रयागराज। नैनी थाना क्षेत्र अंतर्गत महेवा के दुर्गा नगर मोहल्ले में एक विवाहिता का शव मिलने से सनसनी फैल गई। इसकी जानकारी पर पहुंचे मायके वालों ने जमकर हंगामा किया और ससुराल वालों द्वारा हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। नैनी थाना क्षेत्र अंतर्गत महेवा के दुर्गा नगर मोहल्ले में एक विवाहिता का शव मिलने से सनसनी फैल गई। इसकी जानकारी पर पहुंचे मायके वालों ने जमकर हंगामा किया और ससुराल वालों द्वारा हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। हंगामा की सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने लोगों को शांत कराया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। नैनी थाना क्षेत्र के महेवा पश्चिम पट्टी निवासी संजू निषाद की शादी महेवा के दुर्गा नगर मोहल्ले में संतोष कुमार के साथ 2011 में हुई थी मृतका के भाई नीरज निषाद का कहना है कि शुक्रवार की रात करीब 2रू00 बजे उसके बहनोई संतोष ने उसे फोन कर बताया कि तुम्हारी बहन को मार डाला है जब हम लोग उसके ससुराल पहुंचे तो उसका शव कमरे में पड़ा हुआ था। वहां पर ससुराल वालों ने मायके वालों ने जब हंगामा करने लगे तो मौके पर पहुंची पुलिस ने उन्हें समझा बूझकर शांत किया। साथ ही पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने पर आगे की कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। नीरज द्वारा पुलिस को दी गई तहरीर के मुताबिक उसकी बहन संजू को उसके ससुराल वाले दहेज लाने के लिए अक्सर मारा पीटा करते थे जिसे लेकर कई बार पंचायत भी हुई थी।

वैवाहिक विवादों में केवल नाम शामिल कर देने से आपराधिक कार्यवाही नहीं चलाई जा सकतीन

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि वैवाहिक विवादों में केवल नाम शामिल कर देने मात्र से किसी व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही नहीं चलाई जा सकती। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि वैवाहिक विवादों में केवल नाम शामिल कर देने मात्र से किसी व्यक्ति के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही नहीं चलाई जा सकती। जब तक उसके खिलाफ सक्रिय भूमिका के ठोस और विशिष्ट आरोप न हों। कोर्ट ने यह टिप्पणी करते हुए पति के रिश्तेदारों को राहत दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति तेज प्रताप तिवारी की एकलपीठ ने पत्नी की ओर से ट्रायल कोर्ट के आदेश के खिलाफ दायर याचिका पर दिया है। मामला हाथरस के शासनी कोतवाली क्षेत्र का है। पीड़िता ने 2020 में पति, सास–ससुर, देवर और ननद के खिलाफ दहेज उत्पीड़न के आरोप में एफआईआर दर्ज कराई थी। हाथरस के अपर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने 26 मई 2023 को और अपर सत्र न्यायाधीश ने 29 सितंबर 2025 को पति के रिश्तेदारों को आरोपों से मुक्त कर दिया। इसके खिलाफ पीड़िता ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। कोर्ट ने कहा कि ट्रायल कोर्ट का आदेश न्यायसंगत और विधिसम्मत है। अक्सर वैवाहिक विवादों में पूरे परिवार को सामान्य तरीके से फंसाने की प्रवृत्ति देखी जाती है। याची के अधिवक्ता ने दलील दी कि उन्मोचन के चरण में केवल प्रथम दृष्टया मामला देखा जाना चाहिए, जबकि ट्रायल कोर्ट ने साक्ष्यों की विस्तृत विवेचना कर गलती की है। कोर्ट ने कहा कि ट्रायल कोर्ट ने केवल यह परीक्षण किया कि आरोपों के मूल तत्व बनते हैं या नहीं, जो कानून के अनुरूप है। निश्चित आरोपों और सहायक साक्ष्यों के अभाव में रिश्तेदारों के खिलाफ कार्यवाही जारी रखना कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग होगा।

भारतीय रेलवे के लोगो में अब चमकेंगे 18 सितारे, एक जून से दिखेगा नया स्वरूप

प्रयागराज। भारतीय रेल की दशकों पुरानी पहचान अब बदलने जा रही है। अपनी परंपराओं और गौरवशाली इतिहास को सहेजने वाली रेलवे ने अपने आधिकारिक लोगो (चिह्न) में एक बड़ा बदलाव करने का निर्णय लिया है। भारतीय रेल की दशकों पुरानी पहचान अब बदलने जा रही है। अपनी परंपराओं और गौरवशाली इतिहास को सहेजने वाली रेलवे ने अपने आधिकारिक लोगो (चिह्न) में एक बड़ा बदलाव करने का निर्णय लिया है। अब तक रेलवे के लोगो में नजर आने वाले 17 सितारों की जगह अब 18 सितारे अपनी चमक बिखेरेंगे। रेल मंत्रालय द्वारा लिए गए इस निर्णय के बाद अब देशभर में रेलवे की नई पहचान स्थापित की जाएगी। इस बदलाव की मुख्य धुरी देश के 18वें रेलवे ज़ोन के रूप में साउथ कोस्ट रेलवे (एससीओआर) का गठन है। दरअसल, भारतीय रेलवे की यह लंबी परंपरा रही है कि उसके लोगो में अंकित सितारों की संख्या सीधे तौर पर देश में मौजूद कुल रेलवे ज़ोन को दर्शाती है। जैसे–जैसे रेलवे का विस्तार हुआ और नए जोन बने, इन सितारों की संख्या भी बढ़ती गई। अब दक्षिण तटीय रेलवे के विधिवत जुड़ाव के साथ ही 18वें सितारे को भी लोगो में जगह दे दी गई है। रेलवे बोर्ड ने इस संबंध में स्पष्ट दिशा–निर्देश जारी कर दिए हैं। 14 मई को जारी किए गए पत्र के अनुसार, सभी जोनल रेलवे, प्रोडक्शन यूनिट्स और रेलवे के सार्वजनिक उपक्रमों को पुराने लोगो को हटाकर नए स्वरूप को अपनाने की प्रक्रिया शुरू करने को कहा गया है। यह नया लोगो आगामी एक जून 2026 से पूरे देश में प्रभावी रूप से लागू कर दिया जाएगा।

हाईकोर्ट ने एसडीएम दिग्विजय सिंह को जारी किया जमानती वारंट

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अवमानना नोटिस प्राप्त होने के बावजूद कोई प्रतिक्रिया न देने वाले एसडीएम सदर दिग्विजय सिंह को सीजेएम के मार्फत जमानती वारंट जारी किया है। उन्हें नौ जुलाई को पेश होने का आदेश दिया है। यह आदेश न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल ने ज्योत्सना उपाध्याय की अवमानना याचिका पर दिया है।

प्रयागराज निवासी याची ने झूंसी में एक जमीन का बैनामा कराया था। राजस्व निरीक्षक की गलत रिपोर्ट से उक्त भूमि ऊसर दर्ज कर दी गई। एसडीएम से इसकी शिकायत की गई। सुनवाई न होने पर हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। कोर्ट ने एसडीएम को दो माह का समय दिया था। आदेश का पालन न किए जाने पर अवमानना अर्जी दायर की गई। याची अधिवक्ता कुंजेश कुमार दुबे ने दलील दी कि कोर्ट के आदेश के बाद भी अभी तक कोई फैसला नहीं लिया गया है। हाईकोर्ट की ओर से नोटिस जारी कर जवाब मांगने के बाद भी एसडीएम की तरफ से न कोई वकील आया और न कोई जवाब। इसे कोर्ट ने गंभीरता से लिया और जमानती वारंट जारी किया है।

प्रदेश में शिक्षकों समेत 85 हजार पदों पर होगी भर्ती, वर्षों बाद बड़े पैमाने पर भरे जाएंगे रिक्त पद

प्रयागराज। प्रदेश में वर्षों बाद बड़े पैमाने पर शिक्षकों समेत अन्य रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। अशासकीय सहायता प्राप्त (एडेड) महाविद्यालयों, माध्यमिक विद्यालयों, राजकीय इंटर कॉलेजों और बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में करीब 85 हजार पदों पर भर्ती की तैयारी है।

प्रदेश में वर्षों बाद बड़े पैमाने पर शिक्षकों समेत अन्य रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। अशासकीय सहायता प्राप्त (एडेड) महाविद्यालयों, माध्यमिक विद्यालयों, राजकीय इंटर कॉलेजों और बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में करीब 85 हजार पदों पर भर्ती की तैयारी है।

संबंधित विभागों की ओर से रिक्त पदों का अधियाचन उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग व उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग को भेजा जा रहा है। विभागीय सूत्रों के मुताबिक राजकीय इंटर कॉलेजों के एलटी ग्रेड व प्रवक्ता संवर्ग के 8905 पदों का अधियाचन उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग को भेजा जा चुका है। इन पदों पर भर्ती की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है।

वहीं, माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से सहायता प्राप्त विद्यालयों के 4512 स्कूलों में शिक्षकों और प्रधानाचार्यों के 23213 पदों का ऑफलाइन अधियाचन उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग को भेज दिया गया है। साथ ही रिक्त पदों के अनुसार ऑनलाइन अधियाचन अपलोड करने की प्रक्रिया भी तेजी से चल रही है।

इसी क्रम में उच्च शिक्षा विभाग में एडेड व राजकीय महाविद्यालयों के करीब 4000 पदों पर भर्ती की तैयारी है। इनमें एडेड कॉलेजों में लगभग 2200 असिस्टेंट प्रोफेसर और 175 प्राचार्यों के पद शामिल हैं। इसके अलावा राजकीय डिग्री कॉलेजों में 1553 असिस्टेंट प्रोफेसर, 158 लिपिक व कनिष्ठ सहायक, निदेशालय के 26 लिपिक और कई स्टेनो पदों का अधियाचन भेजा जा चुका है।

प्रदेश में 330 एडेड, 216 राजकीय तथा 21 अल्पसंख्यक डिग्री कॉलेज संचालित हैं। अल्पसंख्यक कॉलेजों के करीब 150 रिक्त पदों का अधियाचन अभी लंबित है।

उच्च शिक्षा निदेशक डॉ. बीएल शर्मा ने बताया कि प्राप्त रिक्तियों के अनुसार अधियाचन पोर्टल पर अपलोड किया जा रहा है। इसी तरह अपर शिक्षा निदेशक (राजकीय) अजय द्विवेदी ने बताया कि राजकीय विद्यालयों के 8905 पदों का अधियाचन लोक सेवा आयोग को भेजा जा चुका है। अन्य रिक्त पदों का अधियाचन भी शीघ्र भेजा जाएगा।

बेसिक शिक्षा परिषद रू 15 हजार पदों का अधियाचन भेजा

बेसिक शिक्षा परिषद में भी बड़े पैमाने पर भर्ती की तैयारी है। नगर क्षेत्र के लगभग 15 हजार पदों का अधियाचन शिक्षा सेवा चयन आयोग को शुक्रवार को भेज दिया गया है। वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों के 30 हजार प्रधानाध्यापक व सहायक अध्यापक पदों का अधियाचन भेजने की तैयारी है। हालांकि, अभी इसमें हाईकोर्ट के एक आदेश की बाधा है। इसके लिए विधिक राय लेने के बाद ही कुछ निर्णय लिया जा सकेगा। इसकी पुष्टि बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव सुरेंद्र तिवारी ने की है। उन्होंने कहा कि पदों की संख्या में आंशिक बदलाव संभव है।

2.17 लाख शिक्षकों के पद रिक्त

शिक्षा मंत्रालय की संसदीय समिति की हालिया रिपोर्ट में उत्तर प्रदेश में शिक्षकों के 2.17 लाख पद रिक्त बताए गए हैं। इनमें करीब 1.43 लाख पद प्राथमिक विद्यालयों के हैं। समिति ने रिक्त पदों को समयबद्ध तरीके से भरने की सिफारिश की है।

अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में 24,849 पद रिक्त

अशासकीय माध्यमिक विद्यालयों में सहायक अध्यापक (टीजीटी) व प्रवक्ता (पीजीटी) के 24849 पद रिक्त हैं। इसमें प्रवक्ता के 4384 पद शामिल हैं। इन पदों पर नियुक्ति की जिम्मेदारी शिक्षा सेवा चयन आयोग के पास है। पीजीटी की परीक्षा आयोग करा चुका है। टीजीटी की परीक्षा जून में है।

प्रमुख प्रस्तावित भर्तियां

– उच्च शिक्षा (एडेड एवं राजकीय महाविद्यालय) रू करीब 4000 पद

– माध्यमिक विद्यालय रू 23213 पद

–राजकीय इंटर कॉलेज (एलटी ग्रेड एवं प्रवक्ता) रू 8905 पद

–बेसिक शिक्षा परिषद नगर क्षेत्र रू करीब 15000 पद

–ग्रामीण क्षेत्र (प्रधानाध्यापक एवं सहायक अध्यापक) रू 30 हजार पद

–बेसिक शिक्षा निदेशालय रू 135 स्टेनो, 265 कनिष्ठ लिपिक सहित अन्य पद

– अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा 875 पदों के लिए पूर्व में कराई जा चुकी है परीक्षा

– बेसिक शिक्षा के एडेड विद्यालयों में 634 सहायक अध्यापक व 91 प्रधानाध्यापकों की नियुक्ति प्रक्रिया जारी

– असिस्टेंट प्रोफेसर के 635 पदों पर भर्ती प्रक्रिया लंबित मामलों के साथ बढ़ाई जा रही आगे

– अधिकारियों समेत 1250 अन्य पदों पर भी होनी है भर्ती

लू का अलर्ट, प्रयागराज में 46 डिग्री के पार जा सकता है पारा

प्रयागराज। संगमनगरी प्रयागराज एक बार फिर भीषण गर्मी की चपेट में आने जा रही है। मौसम विभाग के संकेत बता रहे हैं कि अगले कुछ दिनों में शहर में लू का प्रकोप और बढ़ सकता है। अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। दोपहर की तेज धूप, गर्म हवाएं और रात में भी कम राहत लोगों की परेशानी बढ़ा सकती है।

प्रयागराज में बुधवार को आई तेज आंधी के बाद शुक्रवार को एक बार फिर मौसम का मिजाज तल्ख हो गया। शुक्रवार की सुबह हवाओं की सुस्ती से चिलचिलाती धूप ने अपना असर दिखाना शुरू कर दिया। दोपहर में तपिश इस कदर बढ़ी कि लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो गया। मौसम विभाग ने लू का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

शुक्रवार को सुबह से ही सूरज आग का गोला बना था। तेज धूप से बढ़ी तपिश से बादलों की आवाजाही ने कुछ राहत दिलाई। इसके बाद बाद फिर चटक धूप के बीच गर्म हवाएं शरीर के खुले हिस्सों में नश्तर की तरह चुभती रहीं। दोपहर में सड़कें भट्ठी की तरह तपती रहीं। छुट्टी के समय रिक्शा–ट्रॉली में बच्चों के चेहरे लाल दिखे। पसीना उनके माथे पर साथ नजर आया।

अधिकतम तापमान 42.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। साफ है कि अब रात में भी तपिश परेशानी का कारण बन रही है। मौसम वैज्ञानिक डॉ. शैलेष राय के अनुसार आने वाले दिनों में उमस भरी गर्मी लोगों के पसीने छुड़ाएगी। छह दिनों तक तापमान में वृद्धि के आसार हैं।

आमतौर पर ऐसा मौसम जून में देखने को मिलता है। इस बार पश्चिम के कुछ इलाकों में बारिश होने की वजह से उमस बढ़ने का अनुमान लगाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 17 से 20 मई तक अधिकतम तापमान 46 डिग्री सेल्सियस से अधिक रहने के आसार हैं। वहीं, 20 मई के बाद तापमान में बेतहाशा वृद्धि देखने को मिल सकती है।

पिछले साल आज के दिन कितना था तापमान

उपलब्ध ऐतिहासिक मौसम रिकॉर्ड के अनुसार, पिछले वर्ष मई के इसी समय प्रयागराज में अधिकतम तापमान लगभग 41द42 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया गया था। इस वर्ष तापमान उससे कई डिग्री अधिक जाने की संभावना दिखाई दे रही है।

2024 में पारा पहुंचा था 48 के पार

जब लंबे समय तक शुष्क और बहुत गर्म हवाएं चलती हैं तथा तापमान सामान्य से काफी ऊपर पहुंच जाता है, तब लू जैसी स्थिति बनती है। उत्तर भारत के मैदानी क्षेत्रों में मई और जून के दौरान यह स्थिति अधिक देखी जाती है। प्रयागराज का भौगोलिक क्षेत्र भी ऐसी परिस्थितियों के प्रति संवेदनशील माना जाता है और यहां गर्मियों में तापमान कई बार 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है। वर्ष 2024 में प्रयागराज ने 48.8 डिग्री सेल्सियस तक का रिकॉर्ड भी दर्ज किया था।

ऐसे करें गर्मी से बचाव

1– लगातार थोड़ी मात्रा में पानी पीते रहें। नींबू पानी, छाछ, नारियल पानी और बेल का शरबत पीएं।

2– खीरा, ककड़ी, तरबूज और खरबूजा खाएं।

3– मसालेदार और भारी भोजन से बचें। यह पेट की गर्मी बढ़ाता है। दही और सलाद का सेवन करें।

4– हल्के रंग के सूती कपड़े पहनें।

5– उमस से त्वचा पर फंगल इन्फेक्शन हो सकता है, रोजाना दो बार नहाएं।

6– नहाने के पानी में टी–ट्री ऑयल या नींबू की बूंदें डाल सकते हैं।

7– घमौरियों से बचने के लिए एंटी–फंगल पाउडर का इस्तेमाल करें।

8– कूलर को कमरे के अंदर न रखें, उसे खिड़की या दरवाजे पर लगाएं।

9– हल्के रंग के या ब्लैकआउट परदों का इस्तेमाल करें, ताकि धूप और गर्मी अंदर न आए।

10– दोपहर 12 से चार बजे के बीच बाहर न निकलें। अगर निकलना जरूरी हो तो सिर ढकें और पानी साथ रखें।

विपरीत परिस्थितियों में फंसे मेधावियों को परीक्षा से वंचित करना ठीक नहीं

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में फंसे किसी मेधावी छात्र को केवल नियमों की जटिलताओं के कारण परीक्षा से वंचित नहीं किया जा सकता। मानवीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए नियमों में आवश्यक संशोधन पर विचार किया जाना चाहिए। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कहा कि विपरीत परिस्थितियों में फंसे किसी मेधावी छात्र को केवल नियमों की जटिलताओं के कारण परीक्षा से वंचित नहीं किया जा सकता। मानवीय परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए नियमों में आवश्यक संशोधन पर विचार किया जाना चाहिए। इस टिप्पणी संग न्यायमूर्ति सिद्धार्थ नंदन की एकल पीठ ने डीएलएड छात्रा करिश्मा की याचिका निस्तारित कर दी। कोर्ट ने नेशनल काउंसिल फॉर टीचर एजुकेशन (एनसीटीई) को निर्देश दिया कि वह ऐसे छात्रों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए सहानुभूतिपूर्वक विचार करे। आवश्यकता पर कड़े नियमों में संशोधन पर भी मंथन करे। करिश्मा डीएलएड 2021 बैच की छात्रा हैं। पाठ्यक्रम का सत्र दो वर्ष विलंबित हो गया था। इसी बीच वर्ष 2022 की परीक्षा के दौरान उनके पिता का निधन हो गया, जिसके कारण वह गणित की परीक्षा नहीं दे सकीं। उन्होंने कोर्ट से गुहार की थी कि 2026 की परीक्षा में शामिल होने का अंतिम अवसर दिया जाए। राज्य सरकार की ओर से दलील दी गई कि नेशनल काउंसिल फॉर टीचर एजुकेशन रेगुलेशन 2014 के अनुसार दो वर्षीय डीएलएड पाठ्यक्रम अधिकतम तीन वर्ष में पूरा किया जाना अनिवार्य है। साक्षी बनाम उत्तर प्रदेश राज्य के मामले का हवाला देते हुए कहा कि नियमों में ढील देने का अधिकार राज्य सरकार अथवा विभागीय सचिव के पास नहीं है। हालांकि, अदालत ने माना कि छात्रा के मामले में देरी उसकी व्यक्तिगत लापरवाही के कारण नहीं, बल्कि पिता के निधन और शैक्षणिक सत्र में देरी जैसी असाधारण परिस्थितियों के कारण हुई। कोर्ट ने यह भी कहा कि एनसीटीई रेगुलेशन 2014 में ऐसी मानवीय आकस्मिक परिस्थितियों को लेकर कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है, जिससे छात्रों को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। कोर्ट ने एनसीटीई को सुझाव दिया कि वास्तविक कारणों से परीक्षा से वंचित रहने वाले छात्रों को न्यूनतम योग्यता प्राप्त करने का निष्पक्ष अवसर देने के लिए आवश्यक हो तो नियमों में संशोधन पर भी विचार किया जाए।

पीड़ितों की मदद सरकार की प्राथमिकता : स्वतंत्र देव सिंह

प्रयागराज। तेज आंधी से घर के पास स्थित पेड़ की डाल गिरने से नाहरपुर गांव निवासी दुर्गा भारतीया (67) की मौत हो गई थी। प्रदेश सरकार के जल शक्ति मंत्री व प्रयागराज जनपद के प्रभारी स्वतंत्र देव सिंह ने शोकाकुल परिवार से मिलकर उन्हें सांत्वना दी तथा दैवीय आपदा राहत कोष से अवमुक्त की गई 4 लाख की सहायता राशि की भी पुष्टि की। उन्होंने कहा कि दैवीय आपदा पीड़ितों की तत्काल मदद करना सरकार की प्राथमिकता

है। इस मौके पर जिलाधिकारी मनीष वर्मा, उप जिलाधिकारी हंडिया रावेंद्र सिंह, खंड विकास अधिकारी राजेशकुमार, सांसद प्रवीण पटेल, जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ.वीके सिंह आदि मौजूद रहे। नवाबगंज के खिदिरपुर(मकरी खोह) में पेड़ के नीचे दबने से मृत इंदू पटेल के घर जल शक्ति मंत्री पहुंचे। उन्होंने आर्थिक सहायता का प्रमाणपत्र दिया। वहीं, सोरांव में मृतक सत्यम के परिजनों से मुलाकात कर स्वतंत्र देव सिंह ने परिजनों को चार लाख रुपये का चेक सौंपा।

पीड़ित परिवार से मिले मंत्री, दिया आर्थिक सहायता

फूलपुर। सराय सुल्तान उर्फ अलीपुर में बुधवार को आए आंधी में मां–बेटे की मौत के बाद शुक्रवार को जल संसाधन मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने पीड़ित परिवार को ढांढस बंधाया। मंत्री ने मृतका सविता प्रजापति के पति संदीप प्रजापति को मुख्यमंत्री आपदा राहत कोष से चार लाख रुपये की आर्थिक सहायता का डेमो चेक सौंपा। वहीं, हादसे में जान गंवाने वाले मासूम अनुपम के नाम से भी चार लाख रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई। उन्होंने बेटियों संजना, रंजना और राधा से बातचीत कर उनकी शिक्षा की स्थिति की जानकारी ली। इस मौके पर फूलपुर सांसद प्रवीण पटेल, विधायक दीपक पटेल, डीएम मनीष कुमार, एसडीएम फूलपुर अविनाश सिंह यादव, एसीपी विवेक यादव, खंड विकास अधिकारी हनुमंत प्रसाद वर्मा, ब्लॉक प्रमुख विपेंद्र सिंह पटेल रहे।

अपना दल कार्यकर्ताओं ने जल शक्ति मंत्री को सौंपा ज्ञापन

अपना दल एस कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने मलाक बलऊ ग्राम पंचायत की बस्तियों ने विकास कार्य कराने की मांग की। जिला मीडिया प्रभारी राजेंद्र सिंह पटेल के नेतृत्व में कैबिनेट मंत्री को दिए गए ज्ञापन में कहा गया कि शिव लाल का पूरा, मलकिया और ककरहिया आदि गांवों में सार्वजनिक स्थानों पर एक भी सोलर स्ट्रीट लाइट की स्थापना नहीं की गई है जिससे बस्ती में अंधेरा रहता है। मौके पर राहुल पटेल, इंजी आशीष पटेल और मान सिंह सरोज आदि रहे।

आंधी के बाद पीड़ित परिवारों तक पहुंचे अफसर

क्षेत्र में आई आंधी में दो किशोरों की मौत के बाद शुक्रवार को प्रशासनिक अफसर पीड़ित परिवारों के घर पहुंचे और सरकारी योजनाओं से जोड़ने की कवायद शुरू की। चिलबिला गांव में बीडीओ अनीश अहमद ने मृतक अंश कुमार पासवान (13) पुत्र श्याम बाबू के परिजनों से मुलाकात कर राशन कार्ड के लिए आवेदन कराने और पीएम आवास योजना से लाभ दिलाने के निर्देश दिए। वहीं, भौसरा नरोत्तम गांव में नायब तहसीलदार के नेतृत्व में टीम ने आदित्य उर्फ ननकऊ (12) पुत्र लक्ष्मी नारायण बिंद के परिजनों का हाल जाना। अधिकारियों ने बताया कि पोस्टमार्टम न कराए जाने और अंतिम संस्कार कर देने के कारण दैवी आपदा राहत मिलने में दिक्कत हो सकती है।

जनसमस्याओं के समाधान के लिए मैदान में उतरा बिजली विभाग

प्रयागराज। विद्युत नगरीय वितरण खंड ईयूडीसी–एक के अंतर्गत शुक्रवार को मेगा कैंप का आयोजन हुआ। इसमें उपभोक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए कुल 13 कैंप लगाए गए। कैंप के दौरान कुल 132 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें से 94 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। शेष शिकायतों के समाधान की प्रक्रिया जारी है। अधीक्षण अभियंता कृष्णा सारस्वत ने बताया कि उपभोक्ताओं की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए विभाग लगातार अभियान चला रहा है। उन्होंने कहा कि बिल संबंधी शिकायतों के साथ बिजली कनेक्शन, लोड बढ़ाने–घटाने और अन्य बिजली संबंधी समस्याओं का भी समाधान किया जा रहा है। उन्होंने उपभोक्ताओं से अपील की है कि विभाग की ओर से लगाए जा रहे ऐसे कैंपों का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। करेली उपकेंद्र में आयोजित मेगा कैंप के दौरान उपभोक्ताओं की कुल 21 शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें से 15 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। एक्सईएन आरके गौतम ने बताया कि सर्वाधिक 16 शिकायतें बिल संशोधन (बिल रिवीजन) से संबंधित रहीं। इनमें से दस शिकायतों का समाधान कैंप में ही कर दिया गया, जबकि शेष मामलों के निस्तारण की प्रक्रिया जारी है। कैंप में उपभोक्ताओं की समस्याओं को सुनने और त्वरित समाधान के लिए विभागीय अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

अधिशासी अभियंता कार्यालय मेयोहॉल के सामने शुक्रवार को बिजली विभाग की ओर से मेगा कैंप लगाया गया। कैंप में बेली पावर हाउस, मेयोहॉल पावर हाउस और सिविल लाइंस साइट से जुड़े उपभोक्ताओं ने शिकायतें दर्ज कराईं। कैंप के दौरान 25 से अधिक उपभोक्ता लिखित शिकायत लेकर पहुंचे। इनमें से सात शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण कर दिया गया। मेगा कैंप में बड़ी संख्या में स्मार्ट मीटर से जुड़ीं और बिल संबंधी शिकायतें आईं। शिकायत दर्ज कराने के बाद उपभोक्ताओं ने सरकार और बिजली विभाग की ओर से जनता की समस्याओं के समाधान के लिए लगाए जा रहे कैंपों की पहल की सराहना की। उपभोक्ताओं ने स्मार्ट मीटर से संबंधित शिकायतों के समाधान पर संतोष जताया। साथ ही विभाग की इस पहल की सराहना की।

संक्षिप्त

मजदूर ने संदिग्ध हालत में लगाई फांसी

लखनऊ (संवाददाता)। बंथरा थाना क्षेत्र में एक 45 वर्षीय मजदूर ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। यह घटना शुक्रवार रात की है। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक की पहचान धावापुर निवासी रामविलास (45) के रूप में हुई है। वह अपनी पत्नी सोनी और बेटी दिव्यांशी के साथ रहते थे और मजदूरी का काम करते थे। शुक्रवार रात रामविलास खाना खाने के बाद अपने कमरे में सोने चले गए थे, जबकि उनकी पत्नी सोनी और बेटी दिव्यांशी छत पर सो रही थीं। रात करीब 2 बजे रामविलास के पिता अयोध्या प्रसाद पेशाब करने के लिए उठे। अयोध्या प्रसाद ने रामविलास को उनके कमरे की खिड़की के सामने पंखे के हुक से गमछे के सहारे लटका हुआ पाया। उन्होंने तुरंत परिजनों को और फिर पुलिस को घटना की सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए भेजा। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि रामविलास पिछले दो वर्षों से बीमार चल रहे थे और इस वजह से काफी परेशान रहते थे। पुलिस का कहना है कि मामले की विस्तृत जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही घटना के सही कारणों का खुलासा हो पाएगा।

युवक ने सुसाइड किया,किराए के कमरे में फंदे से लटका मिला शव

लखनऊ (संवाददाता)। पारा थाना क्षेत्र के जनता विहार बदल खेड़ा इलाके में एक युवक ने किराए के मकान में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना शुक्रवार देर रात की है। सूचना मिलने पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान अमन भारती (23) पुत्र स्वर्गीय रवि भारती के रूप में हुई है। वह अपनी मां संगीता भारती के साथ जनता विहार बदल खेड़ा में रहता था। अमन पानी सप्लाई का काम करता था और अपने कुछ साथियों के साथ कॉलोनी में राजकुमार के मकान में किराए पर रह रहा था। जानकारी के अनुसार, शुक्रवार देर रात अमन अपने कमरे में था। काफी देर तक कोई हलचल न होने पर उसकी मां संगीता भारती को शक हुआ। रात लगभग एक बजे जब उन्होंने कमरे में जाकर देखा, तो अमन का शव पंखे से साड़ी के फंदे के सहारे लटका मिला। संगीता भारती की चीख–पुकार सुनकर आसपास के लोग और अमन के साथी मौके पर पहुंच गए। घटना की सूचना तुरंत पारा पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को नीचे उतरवाकर कब्जे में लिया और आवश्यक कार्रवाई के बाद पोस्टमार्टम हाउस भेज दिया।पुलिस अधिकारियों के अनुसार, प्रथम दृष्टया यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। हालांकि, युवक ने यह कदम किन कारणों से उठाया, इसकी जांच की जा रही है। पुलिस उसके साथियों और आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है ताकि सच्चाई का पता चल सके। उसके पिता का पहले ही निधन हो चुका है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

परिषदीय बच्चों को आधुनिक विज्ञान शिक्षा से जोड़ रही योगी सरकार

लखनऊ (संवाददाता)। योगी सरकार अब परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को प्रयोग और अनुभव आधारित विज्ञान शिक्षा से जोड़कर सरकारी स्कूलों की तस्वीर बदलने में जुट गई है। प्रदेश के 38 जिलों में 9,356 साइंस किटों की आपूर्ति कर सरकार ने सुनिश्चित कर दिया है कि अब गांव और गरीब परिवारों के बच्चों को भी वही आधुनिक और व्यावहारिक शिक्षा उपलब्ध कराई जाएगी, जो अब तक बड़े निजी स्कूलों, चुनिंदा संस्थानों तक सीमित थी।प्रदेश के 38 जिलों में साइंस किटों की आपूर्ति की जा चुकी है। गोंडा में 370, शाहजहांपुर में 366, आगरा में 357, उन्नाव में 338, बुलंदशहर में 314 और अलीगढ़ में 301 साइंस किटें पहुंचाई गई हैं। लखीमपुर खीरी में 464 और सीतापुर में 469 साइंस किटों की आपूर्ति की गई । योगी सरकार पहले ही मिशन प्रेरणा, निपुण भारत मिशन, स्कूल कायाकल्प, स्मार्ट क्लास और डिजिटल मॉनिटरिंग जैसे अभियानों के माध्यम से सरकारी स्कूलों में शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक बनाने की दिशा में काम कर रही है। अब साइंस किटों की उपलब्धता से विज्ञान शिक्षा को भी व्यावहारिक और छात्र–केंद्रित बनाने की कोशिश तेज हुई है। प्रयोग आधारित शिक्षण को लगातार बढ़ावा मिलने से भविष्य में परिषदीय विद्यालयों के बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि और नवाचार क्षमता दोनों तेजी से बढ़ेंगे। समाज के अंतिम पायदान पर खड़े परिवारों के बच्चे भी प्रयोगशाला आधारित विज्ञान शिक्षा से जुड़ सकेंगे। योगी सरकार का यह कदम सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के भीतर वैज्ञानिक सोच, जिज्ञासा और नवाचार क्षमता विकसित करने की दिशा में बड़ा बदलाव माना जा रहा है। सरकार का मानना है कि विज्ञान शिक्षा को केवल किताबों और परिभाषाओं तक सीमित नहीं रखा जा सकता। जब बच्चे स्वयं प्रयोग करते हैं, मॉडल देखते हैं और गतिविधियों के माध्यम से सीखते हैं, तभी विज्ञान रोचक, व्यावहारिक और आसानी से समझ में आने वाला विषय बनता है।

पार्किंग के दौरान कार से दबा युवक, सीने पर चढ़ा पहिया

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी लखनऊ के निशातगंज इलाके में शुक्रवार रात कार के नीचे दबने से एक युवक की मौत हो गई। युवक खाना खाने के बाद घर से बाहर टहल रहा था। पड़ोसी अपनी कार लेकर आया और पार्क करते समय युवक को टक्कर मार दी। टक्कर लगने पर युवक गिर पड़ा और कार उसके ऊपर चढ़ गई। घटना निशातगंज गली नंबर–1 की है। मृतक की पहचान अजाउर रहमान (35) के रूप में हुई। वह वेल्डिंग का काम करते थे। बड़े भाई अताउर रहमान खान ने बताया– अजाउर शुक्रवार रात करीब 10.30 बजे घर से खाना खाने के बाद सिगरेट पीने के लिए पास की गुमटी पर गए थे। इसके बाद वह अनिल कुमार सिंह के घर के सामने सड़क पर टहल रहे थे। इस दौरान अनिल ने अपनी कार ग्रैंड–10 कार यूपी 32 जेई 4578 को लापरवाही से पार्क करते समय अजाउर रहमान को टक्कर मार दी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। दुर्घटना में कार अजाउर रहमान के सीने पर चढ़ गई। इससे सीने में गंभीर चोट आई। घटना के बाद शोर–शराबा मच गया। परिजन अजाउर को तत्काल भाऊराव देवरस अस्पताल लेकर पहुंचे। हालत गंभीर होने पर वहां से लोहिया अस्पताल रेफर कर दिया गया। लोहिया अस्पताल में इलाज के दौरान डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। अजाउर रहमान पांच भाइयों में सबसे छोटा था।

बट सावित्री पूजन सनातन संस्कृति और हिंदू धर्म का प्रतिदर्श: अशोक

प्रयागराज। हमारी लोक मान्यताओं से जुड़कर सर्वे भवंतु सखिनरू के कामना की प्रतीक हमारी सनातन संस्कृति और हिंदू धर्म अपने सम्पूर्ण विविधता के साथ पूरे वर्ष तक हिंदू समाज में सुख समृद्धि और प्रेम को तार–तार जोड़ता है। अपने अतीत की इसी परम्परा और परिपाटी को सामाजिक भावना के साथ प्रेरणा की परिधि में हमारे लोक पर्व भी समय–समय पर हमारी आत्मीय सुख शांति के प्रतीक बन जाते हैं। प्रतिवर्ष ज्येष्ठ मास की अमावस्या तिथि को बट सावित्री पूजन भी इसी क्रम में सुहागिन महिलाओं के लिए एक विशेष दिवस के रूप में जाना जाता है।

इस दिन सुहागिन महिलाएं संपूर्ण श्रृंगार कर बरगद वृक्ष का पूजन कर अपने दांपत्य जीवन के बीच सुख, सम्बृद्धि, क्षेम, कुशल, प्रेम, त्याग, निष्ठा,भाव का संकल्प लेकर अखण्ड सौभाग्य और पति के अच्छे स्वास्थ्य की शुभ कामना करती हैं। क्योंकि हमारी लोक संस्कृति में अनेक वर्षों के पूजन की अपनी एक अलग मान्यता होती है जिसमें वट वृक्ष यानी बरगद को अमरता का प्रतीक माना गया है। वट वृक्ष में ब्रह्मा,विष्णु और शिव यानी एक स्थान पर ही त्रिदेव का वास होने के कारण इसे ही प्रतीक रूप में मानकर वट पूजन की परंपरा आरंभ हुई। ऐसा माना जाता है कि बट पूजन से एक साथ ही तीनों देवों का कृपाशीष प्राप्त होता है। सुबह से ही नए

वस्त्र धारण कर सम्पूर्ण श्रृंगार से सज धज कर सुहागिनें वट वृक्ष के समीप संपूर्ण पूजन सामग्री लेकर पहुंचती हैं। पूजा अर्चना के उपरांत वृक्ष के तने में कच्चे धागे को लपेटते हुए परिक्रमा का क्रम पूरा करती हैं और अखंड सौभाग्य की याचना करती हैं।

इस अवसर पर महिलाओं द्वारा मंगल गीत भी गए जाते हैं।जिसमें सती सावित्री द्वारा अपने पति सत्यवान को मृत होने के बाद भी यमराज से वापस वर मांग कर लौटाने का वर्णन होता है। इसके संबंध में बुजुर्ग महिलाएं अन्य महिलाओं को भी सत्यवान, सावित्री के लोकजीवन से जुड़े इस प्रेरक प्रसंग की कथा सुनाती हैं।

इस प्रकार विधिवत रूप से वट सावित्री पूजन सम्पन्न होता है। अपनी संस्कृति और माटी के अनमोल गीतों पर शोध कार्य कर रहे आकाशवाणी और दूरदर्शन के कार्यक्रम प्रस्तुतकर्ता,चर्चित हास्य कवि और लेखक करछना के महेवा गांव निवासी अशोक सिंह बेशरम ने कहा कि तमाम विशेष अवसरों पर वृक्षों, नदियों जलाशयों, शिलाओं का पूजन भी हमारे रीति,रिवाज,मान्यताओं की अनूठी परंपरा के क्रम में हमारी सनातन लोक संस्कृति और हिंदू धर्म से जुड़ा हुआ है। बीते लगभग दो दशकों में कुछ और ही ज्यादा चलन में आई वट पूजन एवं छठ पूजन की यह परंपरा आज के बदलते दौर में हमारी सांस्कृतिक चेतना का प्रतीक बनकर हमारी नई पीढ़ी को भी अपनी विरासत और धार्मिक जागरण के प्रति प्रेरित करती है।साथ ही हमारे लोक जीवन में आस्था, विचार,संस्कार और उमंग के राग रंग को तार तार जोड़ती है ।

दी स्टार आफ महेश्वरी सोसायटी सम्मान, प्रबुद्ध विचारक सम्मान

गोलाघाट। आज आपको हमें यह बताते हुए परम हर्ष हो रहा है कि अंतर्राष्ट्रीय माहेश्वरी कपल क्लब गोलाघाट शाखा के... चार कपल को 'दी स्टार आंफ महेश्वरी सोसायटी सम्मान' आज एक सम्मान समारोह में देकर सम्मानित किया गया.. रंजना पवन बिनानी, विमला पवन काबरा, राधा घनश्याम बिनानी, कुसुम महेश बजाज।

साथ ही 'प्रबुद्ध विचारक सम्मान' भी हमारी गोलाघाट शाखा की तीन बहनों को दिया गया।

रंजना पवन बिनानी, कुसुम महेश बजाज, एवं सरला देवकिशन बजाज... ।

अहिल्या मल्ल, ललिता चांडक, लहर बिनानी, मीना नागौरी, बिमला काबरा,, कुसुम बजाज ,रंजना बिनानी, अमित नागौरी, मंजू कनोई,सुजीत कनोई, सुमित लढ़िया,

अभिषेक जगनानी... ने इस कार्यक्रम में उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

अंतर्राष्ट्रीय माहेश्वरी कपल क्लब भारत द्वारा समय–समय पर इस तरह के आयोजन होते रहते है और वो हमें सम्मानित करते रहते हैं... इसके लिए हम मंच के बहुत–बहुत आभारी हैं।

खासकर श्रीमती अनीता डॉ. अशोक सोढ़ानी जी को बहुत–बहुत धन्यवाद हम देते हैं, जिनके सतत प्रयास से आज यह माहेश्वरी अंतरराष्ट्रीय कपल क्लब भारत अपनी ऊंचाइयों को छू रहा है और हर शाखा अध्यक्ष पूर्ण जिम्मेदारी से अपना काम कर रहा हैं। मंच का एक बार पुनः हार्दिक हार्दिक आभार करती हूं।

साथ ही हमारे गोलाघाट आईएमसी मंच से जुड़े सभी पदाधिकारी का बहुत–बहुत धन्यवाद देती हूं.. जिनके सहयोग से हम सुचारू रूप से कार्य करते रहते है।

अंशुमान पुष्कर और महवश ने हिंदी जी5 पर रिलीज होने वाली सीरीज सतरंगी - बदले का खेल से पहले लखनऊ का दौरा किया

लखनऊ (संवाददाता)। अभिनेता अंशुमान पुष्कर और महवश अपनी आने वाली हिंदी जी5 ओरिजिनल सीरीज सतरंगी दृ बदले का खेल के प्रमोशन के लिए नवाबों के शहर लखनऊ पहुंचे। सीरीज की रंगीन दुनिया को दर्शाने के लिए कलाकारों ने शो में दिखाए गए खास टेंपो को फिर से तैयार किया और उसके साथ एक खास फोटोशूट किया। यह टेंपो शहर की सड़कों पर घूमता नजर आया, जिसने लोगों का ध्यान तुरंत अपनी ओर खींच लिया। कलाकारों ने लखनऊ की संस्कृति और माहौल का भी आनंद लिया और 22 मई 2026 को हिंदी जी5 पर रिलीज होने वाली इस सीरीज को लेकर लोगों की उत्सुकता बढ़ाई। सतरंगी बदले का खेल की कहानी ग्रामीण उत्तर प्रदेश की पृष्ठभूमि पर आधारित है। यह बदले, सत्ता, वफादारी और संघर्ष की एक दमदार कहानी है। गहन ड्रामा, संबंधों की जटिल परतों और भावनाओं से भरपूर यह सीरीज दिखाती है कि पृष्ठभूमि और छल से भरी दुनिया में निजी दुश्मन कैसे सही और गलत के बीच की सीमाओं को धुंधला कर देती है। अंशुमान पुष्कर ने इस दौरे के बारे में बात करते हुए कहा, "लखनऊ की खूबसूरती और यहां के लोगों का अपनापन बेमिसाल है। यहां हमें जो प्यार और उत्साह मिला, वह सच में बेहद शानदार रहा। शहर में सतरंगी बदले का खेल के टेम्पो को दोबारा तैयार करना हमारे लिए बहुत मजेदार और यादगार अनुभव था। यहां के लोगों की ऊर्जा और उत्साह ने हमें इस कहानी को हिंदी जी5 के दर्शकों तक पहुंचाने के लिए और भी ज्यादा उत्साहित कर दिया है।"अभिनेत्री महवश ने कहा, "मैं पहले भी लखनऊ आ चुकी हूं, और इस शहर से जो प्यार मिलता है, वह शायद किसी और शहर में नहीं मिल सकता। यहां के लोग, यहां की संस्कृति और यहां की तहजीब दिल को छू जाती है। पूरे टेंपो फोटोशूट ने सतरंगी दृ बदले का खेल की भावना को बेहद खूबसूरती और जीवंत अंदाज में सामने ला दिया। लखनऊ में अपने फैंस से मिलने मेरे लिए ऐसा अनुभव रहा, जिसे मैं हमेशा याद रखूंगी। यादगार पल कैद करने से लेकर लोगों को शो के माहौल से तुरंत जुड़ते देखना बहुत ही भावुक और खास अनुभव था। अब मैं बेसब्री से 22 मई का इंतजार कर रही हूं, जब दर्शक इस रोमांचक कहानी को देख पाएंगे।

सुहागिनों ने वट वृक्ष की पूजा कर पति की लंबी आयु और अखंड सौभाग्य की कामना

लखनऊ (संवाददाता)। राजधानी में शनिवार सुबह वट सावित्री पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। शहर के विभिन्न मोहल्लों और मंदिरों के पास सुहागिन महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में वट वृक्ष की विधि–विधान से पूजा–अर्चना की। महिलाओं ने अपने पति की लंबी आयु, उत्तम स्वास्थ्य और परिवार की सुख–शांति के लिए व्रत रखा। उन्होंने यम देव से अखंड सौभाग्य का आशीर्वाद मांगा। पूजा के दौरान बरगद के वृक्ष की परिक्रमा की गई, रक्षा सूत्र बांधा गया और वट सावित्री व्रत कथा सुनी गई। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, वट सावित्री व्रत रखने से पति पर आने वाले संकट दूर होते हैं और दांपत्य जीवन सुखमय बना रहता है।

हिन्दी कहती फूल

चीनी कहते हैं 'हुआश, स्पेनिश कहता 'फ्लोरश।
'फ्लावरश अंग्रेजी कहे, करे न कोई शोर।
करे न कोई शोर, 'पुष्पश संस्कृत है कहता।
डच कहते हैं 'ब्लोमश, सदा जो खुशबू भरता।
सुन लो कहें प्रदीप,बात है भीनी–भीनी।
हरि का है वरदान, बताते भारत–चीनी।।

खिलता है जो हर समय, मौसम के अनुकूल।
गुजराती 'फूलाश कहें, हिन्दी कहती फूल।
हिन्दी कहती फूल, 'फुलाश पंजाबी कहते।
तेलगु मे बन 'पुव्वश,सुगन्धित जग को करते।
सुन लो कहें प्रदीप, नाम कोई हो इसका।
मौसम के अनुरूप, हमेशा हँसकर खिलता।।

डॉ. प्रदीप चित्रांशी
लूकरगंज, प्रयागराज

मैं आम हूं का विमोचन आज

प्रयागराज। औद्यानिक प्रयोग एवं प्रशिक्षण केन्द्र, खुसरोबाग एवं लेटरेरी क्लब (इलाहाबादी साहित्यिक अड्डा)के संयुक्त तत्त्वावधान में दिनरू रविवार, दिनांक 17 मई 2026 को अपराह्न 4.30 बजे डॉ० प्रदीप चित्रांशी की कृति कुण्डलिया–संग्रह 'मैं आम हूँ' का

विमोचन खुशसरोबाग, प्रयागराज में होना निश्चित हुआ है।कार्यक्रम की अध्यक्षता संयुक्त निदेशक(उद्यान)डॉ० वीरेन्द्र सिंह एवं मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति संजय कुमार पचौरी जी होंगे। यह जानकारी संस्था के सचिव प्रदीप चित्रांशी ने दी।

कानपुर इकाई की काव्यगोष्ठी सम्पन्न

कानपुर। शहर समता विचार मंच कानपुर इकाई की महिला काव्य गोष्ठी श्रद्धा श्रीवास्तव के संयोजन एवम् अध्यक्षता में सफलतापूर्वक सम्पन्न हुई। इस काव्यगोष्ठी की मुख्य अतिथि दिल्ली इकाई की जिलाध्यक्ष अफ़रोज़ अज़ीज़ जी रहीं। यह काव्य

गोष्ठी सांय 4.30 बजे से 5. 30 बजे तक चली जिसका शुभारंभ अध्यक्षता कर रही श्रद्धा श्रीवास्तव द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती की मूर्ति में माल्यार्पण द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना की सुंदर प्रस्तुति सुनीता गुप्ता द्वारा की गयी। काव्य गोष्ठी का कुशल संचालन श्रद्धा श्रीवास्तव ने किया। इस काव्य गोष्ठी में सुनीता गुप्ता,हेमा पांडे, श्रद्धा श्रीवास्तव, सुषमा त्रिपाठी, सुषमा सिंह उर्मि, शिप्रा ज्ञानेंद्र सिंह एवम् अफ़रोज़ अज़ीज़ ने अपनी सुंदर रचनाओं की प्रस्तुति द्वारा आयोजन में चार चांद लगा दिये। धन्यवाद ज्ञापन श्रद्धा श्रीवास्तव ने किया।

महिलाओं के सम्मान एवं सुरक्षा से कोई समझौता नहीं– केशव

लखनऊ (संवाददाता)। बलिया में तैनात खण्ड विकास अधिकारी श्रवण प्रसाद गुप्ता के विरुद्ध गंभीर आरोपों के मामले में कठोर प्रशासनिककार्रवाई की गई है। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों एवं प्रदेश सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत महिला कर्मचारी के साथ कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न की शिकायत को अत्यंत गंभीरता से लिया गया। शिकायतों के आधार पर जिलाधिकारी, बलिया द्वारा गठित स्थानीय परिवाद समिति की जांच आख्या में प्रथम दृष्टया आरोप सत्य पाए जाने पर शासन ने तत्काल प्रभाव से श्रवण प्रसाद गुप्ता को निलंबित कर दिया है।शासनादेश के अनुसार जांच में परिलक्षित हुआ कि संबंधित अधिकारी द्वारा कार्यस्थल पर महिलाओं का लैंगिक उत्पीड़न निवारण, प्रतिषेध और प्रतितोष अधिनियम–2013 (पीओएसएच एक्ट) के प्रावधानों का उल्लंघन किया गया है, जो कि उत्तर प्रदेश सरकारी सेवक आचरण नियमावली–1956 के नियमों के विपरीत है। उपमुख्यमंत्री ने साफ कहा कि प्रदेश सरकार महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान और अधिकारों के संरक्षण के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। किसी भी स्तर पर भय, उत्पीड़न अथवा अनुचित व्यवहार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप पारदर्शिता, संवेदनशीलता एवं जवाबदेही के साथ कार्य करें। यदि किसी अधिकारी या कर्मचारी के विरुद्ध शिकायत प्राप्त होती है तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्रतीक की अस्थियां विसर्जित, अपर्णा फूट-फूटकर रोईं,हरिद्वार में बेटी ने कलश माथे से लगाया

लखनऊ (संवाददाता)। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के छोटे भाई प्रतीक यादव की अस्थियां शनिवार को हरिद्वार में गंगा में विसर्जित की गईं। शिवपाल यादव के सांसद बेटे आदित्य ने अस्थियों को गंगा में प्रवाहित किया। इस दौरान पत्नी अपर्णा फूट–फूटकर रोईं। परिवार के लोगों ने उन्हें संभाला। छोटी बेटी पद्मजा ने अस्थियों को माथे से लगाया, फिर वह भी फूट–फूटकर रोने लगी।

सम्पादकीय.....

फिर एक निर्भया त्रासदी

चौदह साल पहले दिल्ली में जिस निर्भया कांड ने भारत की अंतरात्मा को झकझोर कर रख दिया था, दिल्ली में एक बार फिर उस जैसी त्रासदी की पुनरावृत्ति हुई है। दिल्ली ने एक बार फिर इस भयावह सच का सामना किया किया है कि वहां की सार्वजनिक जगहें महिलाओं के लिये कितनी असुरक्षित व भयावह बनी हुई हैं। दुर्भाग्य से एक बार फिर वही बस अपराध स्थली बनी है, जो सार्वजनिक आवागमन और सुरक्षा के लिये बनी होती हैं। दिल्ली स्थित नांगलोई में एक प्राइवेट स्लीपर बस के भीतर ड्राइवर और कंडक्टर द्वारा एक महिला के साथ कथित रूप से गैंगरेप की घटना ने सभ्य समाज को गहरे तक विचलित किया है। इस घटना ने एक बार फिर से शासन–प्रशासन, पुलिसिंग और परिवहन नियमों के पालन में हुई भारी चूक का एक जीता–जागता सबूत पेश किया है। निस्संदेह, इस घटना की क्रूरता केवल उस हमले में ही नहीं है, बल्कि उत्पन्न परिस्थितियों की भयानक रूप में जानी–पहचानी प्रकृति में भी है। विडंबना देखिए कि जिस बस को महिलाएं सार्वजनिक यातायात के लिये सुरक्षित मानकर चलती हैं, उसी में यह दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटित हुई है। एक बार फिर बस अपराधियों के मंसूबों को पूरा करने वाला साधन बनी। इस घटना ने एक बार फिर से उजागर किया है कि जिन लोगों को यात्रियों के सुरक्षित आवागमन की जिम्मेदारी दी गई थी, वे ही कथित तौर पर दरिंदे बनकर सामने आए। हर बार की तरह तुरंत कार्रवाई का दावा करते हुए गिरफ्तारी को तत्काल कदम उठाने के रूप में दर्शाया जा रहा है। जबकि एक हकीकत है कि हमारी व्यवस्था की विद्रूपताएं जस की तस बनी हुई हैं। सही मायनों में देश के हृदय में वर्ष 2012 के जख्म अभी भरे नहीं हैं। विडंबना देखिए कि निर्भया कांड के बाद सरकारों ने तमाम सुधारों के वायदे जनता के सामने किए थे। तब घोषणा की गई थी कि अपराधियों पर नजर रखने के लिये दिल्ली में सीसीटीवी कैमरों की निगरानी को व्यापक रूप दिया गया है। लेकिन परिणाम जस के तस रहे। देश को याद है कि वर्ष 2012 के निर्भया कांड के बाद त्वरित फैसले लेने वाली अदालतों की स्थापना करने की घोषणा की गई थी। इसके अलावा महिला सुरक्षा से जुड़ी तमाम योजनाओं के क्रियान्वयन के लिये व्यापक प्रचार किया गया था। इसके बावजूद एक और निर्भया जैसी घटना बताती है कि अब तक जमीनी हकीकत में बहुत कुछ बदलाव नहीं आया है। देखने में आया है कि तमाम निजी बसें अपर्याप्त निगरानी व लचर सुरक्षा व्यवस्था के साथ चलती रहती हैं। महिला यात्रियों की सुरक्षा के प्रोटोकॉल का पालन अक्सर महज दिखावे के लिये होता है। निस्संदेह, निजी बसों के कर्मचारियों की सख्त जांच के अभाव ने ऐसे वातावरण को तैयार किया है जहां चालक–परिचालक व अन्य अपराधियों की समांतर गुंडागर्दी चलती रहती है। यही वजह है कि गाहे–बगाहे दिल्ली की छवि महिलाओं के लिये असुरक्षित शहर होने के कारण खराब हुई है। जिसका कारण है कि यहां जवाबदेही संस्थागत होने के बजाय सतही तौर पर नजर आती है। यह विडंबना ही है कि हर बार ऐसी घटना के बाद जन आक्रोश में उबाल आता है। लेकिन देखने में आता है कि जल्दी ही राजनीतिक बयानबाजी और कालांतर नौकरशाही की उदासीनता में बदल जाता है। यही वजह है कि महिलाएं इस भय को अपनी नियति मानकर जीने को अभिशप्त हैं। दिल्ली की जागरूक जनता को चाहिए कि वे नांगलोई की घटना को महज एक और गुजरती सुर्खी बनकर न रहने दें। उन्हें इसे ऐसे अपराधों को रोकने की दिशा में एक निर्णायक मोड़ बनाना चाहिए। निस्संदेह, दिल्ली के अधिकारियों को निजी परिवहन संचालकों की व्यापक जांच–पड़ताल करनी चाहिए। जिसमें रियल–टाइम जीपीएस ट्रैकिंग को निजी बसों में अनिवार्य रूप से लागू करना चाहिए। साथ ही निजी बस चालक व परिचालकों की पृष्ठभूमि की कड़ी जांच करनी चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण यह कि सरकारों को समझ लेना चाहिए कि महिलाओं की सुरक्षा महज बयानबाजी व नारे लगाने से सुनिचित नहीं होगी। साथ ही शासन–प्रशासन को घटना के बाद पुलिस कार्रवाई तक सीमित नहीं होना चाहिए। बल्कि अपराध नियंत्रण की दिशा में भी गंभीर पहल होनी चाहिए।

नीट पेपर लीक यानी ख्वाबों से खिलवाड़!

मिर्जा जाहिद बेग

देश में चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में प्रवेश का सबसे बड़ा माध्यम मानी जाने वाली परीक्षा नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट अर्थात नीट लाखों विद्यार्थियों के भविष्य का निर्धारण करती है। इस साल 2026 में भी इस परीक्षा में देशभर से लगभग 22 लाख से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। डॉक्टर बनने का +ख्वाब बुनने वाले इन विद्यार्थियों ने वर्षों के कठिन परिश्रम, आर्थिक संघर्ष और मानसिक दबाव के बीच इस परीक्षा की तैयारी की थी, लेकिन तंत्र की अक्षम्य लापरवाही के चलते पेपर लीक होने से इसे रद्द कर दिया गया है। पेपर लीक होने और अन्य अनियमितताओं के आरोपों ने पूरे तंत्र की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। यदि किसी प्रतियोगी परीक्षा की निष्पक्षता ही संदिग्ध हो जाए तो यह केवल परीक्षा व्यवस्था की विफलता नहीं, बल्कि देश के युवाओं के +ख्वाबों और उनके भविष्य के साथ क्रूर खिलवाड़ भी है। क्योंकि नीट जैसी परीक्षा केवल प्रश्नपत्र और उत्तर पुस्तिका का नाम नहीं है। इसके पीछे लाखों परिवारों की उम्मीदें, त्याग और संघर्ष जुड़े होते हैं। एक मध्यमवर्गीय या निम्न मध्यमवर्गीय परिवार का बच्चा जब डॉक्टर बनने का सपना देखता है, तो पूरा परिवार उसके साथ उस सपने को जीने लगता है। माता–पिता,भाई –बहन अपनी जरूरतें कम कर देते हैं, कई बार कर्ज लेते हैं, गहने गिरवी रखते हैं और वर्षों तक बचत करके बच्चे की पढ़ाई का खर्च उठाते हैं। ऐसे में जब परीक्षा में पेपर लीक जैसी घटनाएं सामने आती हैं और परीक्षा रद्द करने या पुनरू परीक्षा की नौबत आती है, तब सबसे अधिक चोट उन मेहनती विद्यार्थियों को पहुंचती है जिन्होंने ईमानदारी से दिन–रात परिश्रम किया होता है। कल्पना कीजिए उस छात्र की मनरूस्थिति की जिसने महीनों तक मोबाइल, मनोरंजन और सामाजिक जीवन से दूरी बनाकर केवल पढ़ाई की हो। सिस्टम और सरकार पर भरोसा कर परीक्षा के दिन वह पूरे आत्मविश्वास के साथ परीक्षा केंद्र पहुंचा हो और बाद में उसे पता चले कि कुछ लोगों ने धन और पहुंच के बल पर प्रश्नपत्र पहले ही प्राप्त कर लिया था। यह समाचार उसके आत्मविश्वास को भीतर तक तोड़ देता है। कई विद्यार्थी मानसिक तनाव, अवसाद और असहायता का शिकार हो जाते हैं। अभिभावकों की स्थिति भी कम पीड़ादायक नहीं होती। उन्हें लगता है कि ईमानदारी और परिश्रम की कीमत इस व्यवस्था में शायद बची ही नहीं। हम सब जानते हैं कि नीट की तैयारी आज अत्यंत महंगी प्रक्रिया बन चुकी है। देश के बड़े कोचिंग संस्थानों में दो वर्ष की तैयारी पर औसतन 2 लाख से 5 लाख रुपये तक का खर्च आता है। कई महानगरों में रहने वाले विद्यार्थियों के लिए हॉस्टल और भोजन का खर्च अलग से प्रतिमाह 10 से 20 हजार रुपये तक पहुंच जाता है। पुस्तकों, टेस्ट सीरीज और अध्ययन सामग्री पर 20 से 50 हजार रुपये तक खर्च हो जाते हैं। वर्ष 2026 में नीट आवेदन शुल्क सामान्य वर्ग के लिए लगभग 17 सौ रुपये तथा अन्य वर्गों के लिए अलग–अलग निर्धारित रहा। परीक्षा केंद्र दूसरे शहर में होने पर यात्रा, होटल और भोजन का अतिरिक्त खर्च भी परिवारों को उठाना पड़ता है। इस प्रकार एक विद्यार्थी की तैयारी पर कुल मिलाकर औसतन 4 लाख से 9 लाख रुपये तक का आर्थिक बोझ पड़ता है। ग्रामीण और गरीब परिवारों के लिए यह राशि जीवनभर की जमा पूंजी के समान होती है। ऐसी स्थिति में यदि परीक्षा प्रक्रिया ही अविश्वसनीय हो जाए तो यह केवल प्रशासनिक त्रुटि नहीं बल्कि अमानवीय अन्याय बन जाता है। सबसे गंभीर प्रश्न यह है कि इतनी संवेदनशील परीक्षा का प्रश्नपत्र आखिर बार–बार लीक कैसे हो जाता है? पिछले 10 सालों में दर्जनों परीक्षाओं के पेपर लीक हुए हैं। जिसमें नीट परीक्षा भी शामिल हैं। सहज ही सवाल उठता है कि क्या सुरक्षा तंत्र पर्याप्त नहीं है? क्या परीक्षा संचालन एजेंसियों की जवाबदेही तय नहीं होनी चाहिए? आधुनिक तकनीक और डिजिटल निगरानी के इस युग में यदि करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी प्रश्नपत्र सुरक्षित नहीं रह पाता, तो यह व्यवस्था की अक्षम्य लापरवाही ही मानी जाएगी। नेशनल टेस्ट एजेंसी और सरकार को अब केवल सफाई देने के बजाय ठोस कदम उठाने होंगे। सबसे पहले परीक्षा प्रक्रिया को पूर्णतरू डिजिटल निगरानी के दायरे में लाया जाना चाहिए। प्रश्नपत्र तैयार करने से लेकर वितरण तक हर स्तर पर बहुस्तरीय एन्क्रिप्शन और रियल टाइम ट्रैकिंग व्यवस्था लागू की जानी चाहिए। जिन अधिकारियों या कर्मचारियों की लापरवाही सामने आए उन पर तत्काल सेवा समाप्ति और आपराधिक कार्रवाई होनी चाहिए। इसके अतिरिक्त जिन विद्यार्थियों को पेपर लीक और परीक्षा रद्द होने से मानसिक तथा आर्थिक क्षति हुई है, उन्हें राहत देना भी आवश्यक है। यदि पुनरू परीक्षा आयोजित की जाती है तो विद्यार्थियों से दोबारा कोई शुल्क न लिया जाए।

दूरदराज से आने वाले विद्यार्थियों के लिए यात्रा सहायता और परीक्षा केंद्रों की संख्या बढ़ाई जाए। गरीब और आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए विशेष सहायता कोष बनाया जाए ताकि उनका एक और वर्ष बर्बाद न हो। रद्द परीक्षा को पुनः कराने के लिए जिन शहरों में परीक्षा केंद्र बनाए जाएं वहां परीक्षा सेंटर के आस–पास के छात्रावासों, होटलों और भोजनालयों के मालिकों से अपील की जानी चाहिए कि वे श्आपदा में अवसरश्य के पूंजीवादी सिद्धांत को परे रख कर श्आपदा में इंसानियतश्य के मानवीय सिद्धांत का अनुसरण करें और फिर से परीक्षा में सम्मिलित होने वाले परीक्षार्थियों को इस बार अपने प्रतिष्ठानों में अधिकतम छूट प्रदान करें। आखिर को वतन के नागरिकों से मोहब्बत करना, मुसीबत में उनकी मदद करना ही सच्ची वतनपरस्ती है। सरकारों और शैक्षणिक संस्थानों द्वारा ऐसे विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए हेल्पलाइन और काउंसलिंग व्यवस्था भी शुरू की जानी चाहिए, क्योंकि प्रतियोगी परीक्षाओं का दबाव पहले ही अत्यधिक होता है। बच्चों को टूटने से बचाना सबकी जिम्मेदारी है। सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में किसी परीक्षा में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। परीक्षा माफिया पर शिकंजा कसने के लिए राज्यों की पुलिस, साइबर एजेंसियों और केंद्रीय जांच एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय आवश्यक है। परीक्षा प्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही ही जनता का विश्वास पुनरू स्थापित कर सकती है। नीट पेपर लीक मामला केवल एक परीक्षा रद्द होने तक सीमित नहीं है। दरअसल, यह देश के युवाओं के भविष्य, परिश्रम और विश्वास पर सीधा आघात है। जिन्होंने धन और प्रभाव के बल पर इस अपराध को अंजाम दिया है, वे केवल कानून नहीं तोड़ रहे, बल्कि लाखों मेहनती विद्यार्थियों के ख्वाबों से खिलवाड़ कर उनके और राष्ट्र के भविष्य की हत्या कर रहे हैं। ऐसे अपराधियों के विरुद्ध फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई कर कठोरतम दंड दिया जाना चाहिए, ताकि भविष्य में कोई भी व्यक्ति या राष्ट्रद्रोही गिरोह विद्यार्थियों के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का साहस न कर सके। देश के युवाओं को अपने सपनों को साकार करने का निष्पक्ष अवसर देना मात्र प्रशासनिक दायित्व ही नहीं, बल्कि सरकार की नैतिक और संवैधानिक जिम्मेदारी भी है।

भारत के संकट में फिर साथ आया रूस

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की रविवार की अपील के बाद पूरे देश में भाजपा नेताओं में होड़ मची है कि वे पेट्रोल–डीजल बचाने में खुद को पहले स्थान पर दिखाएं। कहीं कोई मोटर साइकिल से काम पर आने का वीडियो बनवा रहा है, कोई मेट्रो में सफर कर रहा है, किसी ने दिखाया कि हमने अपने काफिले में अब केवल चार गाड़ियां रखी हैं, तो कोई बता रहा है कि साल भर तक विदेश यात्रा नहीं करेंगे। हालांकि अब तक किसी भाजपा नेता ने ये नहीं बताया है कि वो या उनके परिजन सोना न खरीदने की बात पर भी अमल करेंगे या नहीं। क्योंकि सोना न खरीदने की अपील और सोने पर आयात शुल्क बढ़ाने के बाद भी सर्राफा बाजार में बीते दो दिन सोना जमकर बिका है। संपन्न उच्च वर्ग और उच्च मध्यम वर्ग जानता है कि प्रधानमंत्री ने सेंत–मेंत में बचत करने का प्रवचन नहीं दिया है। इसके पीछे कोई बड़ा कारण है, जो अभी देश को नहीं बताया जा रहा। इसलिए किसी भी आपात स्थिति की घोषणा से पहले ही अपना घर और तिजोरी भर ली जाए। इसलिए जिनके पास भी इतनी दौलत है कि वे बढ़ती महंगाई से बेपरवाह सोना–चांदी खरीद सकें, उन्होंने खरीद ली। इधर सरकार ने यह बता दिया है कि पिछले एक महीने में ही महंगाई दोगुनी से ज्यादा बढ़ गई है। ईंधन, बिजली और कच्चे पेट्रोलियम की कीमतों

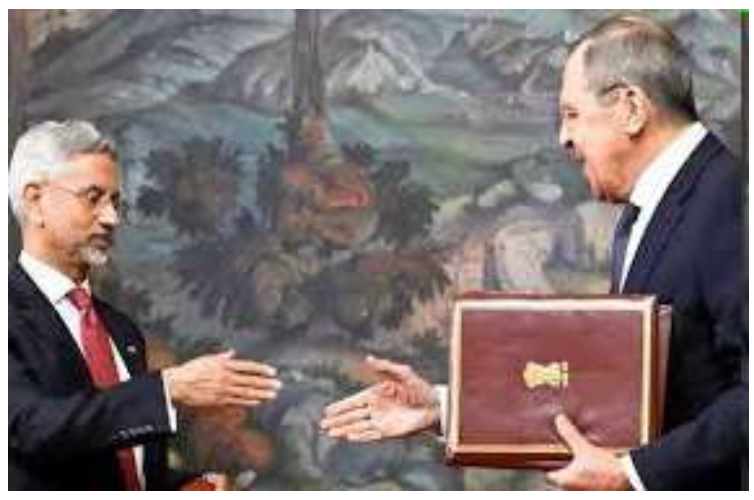

में तेज बढ़ोतरी के चलते अप्रैल में थोक महंगाई दर बढ़कर 8.30प्रतिशत पहुंच गई। मार्च में यह 3.88प्रतिशत थी। अमूल और मदर डेयरी ने भी दूध में दो रूपए की बढ़ोतरी कर दी है। इस महंगाई का असर सीधे–सीधे रोज के भोजन–पानी पर पड़ने वाला है, यह अलग से बताने की जरूरत नहीं। आम जनता हर दिन इस महंगाई से जूझ ही रही है। अब न कोई रामदेव सामने आ रहे हैं जो बता सकें कि नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने पर कितना काला धन वापस आया और पेट्रोल–डीजल कितना सस्ता हुआ या रूपए की कीमत कितनी चढ़ी। क्योंकि 2014 से पहले रामदेव सरीखे जितने लोग ऐसे भ्रमित करने वाले बयान देते थे, उन सबके अपने हित सध चुके हैं। अब आम जनता की दुख–तकलीफ से किसी को कोई लेना–देना नहीं है। देश एक ऐसे कमजोर प्रधानमंत्री के शासन का खामियाजा भुगत रहा है, जो अपनी मर्जी से यह तय नहीं कर सकते कि हमें अपनी जरूरतों की पूर्ति के लिए कहां से तेल खरीदना है और कहां से नहीं। पाठक जानते हैं कि अमेरिका ने भारत पर रूस से तेल खरीदने की पाबंदी लगा दी है और बात न मानने पर टैरिफ थोपने की धमकी दी है। ईरान पर युद्ध के बाद जब होर्मुज जलडमरूमध्य मार्ग बंद हुआ और इस रास्ते से आने वाले तेल की आपूर्ति बाधित हुई तो अमेरिका ने सबसे पहले 5 मार्च को भारत के लिए एक विशेष छूट जारी की थी। इसके तहत भारतीय रिफाइनरों को जहाजों में लदे रूसी तेल को खरीदने की अनुमति दी गई थी। एक हफ्ते बाद अमेरिका की ओर से दी गई इस छूट का दायरा वैश्विक स्तर तक बढ़ा दिया गया। एक बार विस्तार मिलने के बाद अब यह छूट 16 मई को समाप्त होने वाली है। शनिवार यानी 16 मई के बाद अमेरिका की पाबंदियों में मिली छूट को अगर आगे नहीं बढ़ाया जाता है तो भारतीय तेल रिफाइनरों के लिए मुश्किल पैदा होगी। उन्हें रूसी कच्चे तेल का आयात कम करने पर मजबूर होना पड़ सकता है। अमेरिका से मिली छूट के कारण मई महीने में अब तक रूसी तेल का आयात रिकॉर्ड स्तर यानी 23 लाख बैरल प्रतिदिन रहा है। लेकिन, मॉस्को से कच्चा तेल लेकर अगर कोई नया जहाज भारत की ओर आता हुआ नहीं दिखता है तो स्थिति बदलेगी। उस स्थिति में पूरे महीने का कुल आयात घटकर 19 लाख बैरल प्रतिदिन तक गिर सकता है। जुलाई 2024 तक भारत के कच्चे तेल आयात में रूस की हिस्सेदारी बढ़कर 44.6 फीसदी तक पहुंच गई थी। हालांकि, अमेरिकी दबाव और टैरिफ नीतियों के कारण जनवरी 2026 तक यह घटकर 20.6प्रतिशत रह गई। यह बात पढ़ने–सुनने में ही कितनी अपमानजनक लगती है कि अमेरिका ने हमें कुछ दिनों की मोहलत दी कि हम रूस से तेल आयात करें और अब हम फिर उसी मोहलत के मोहताज बने हैं। मानो हम अमेरिका के कोई उपनिवेश हैं या ट्रंप हमारा शासक है।

नरेन्द्र मोदी को इस समय कायदे से अमेरिका को भारत की स्वतंत्रता और संप्रभुता का पाठ पढ़ा देना चाहिए कि हमारे देश को इस समय रूस से तेल खरीदने की जरूरत है और हम ऐसा ही करेंगे। बस इसके आगे किसी और घुड़की में नहीं आना चाहिए। इस समय मोदी के लिए यह कहना मुमकिन हो भी सकता है, क्योंकि अब रूस ने भी भारत का साथ दिया है। भारत में ब्रिक्स विदेश मंत्रियों के सम्मेलन में शामिल होने से पहले रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि तेल की आपूर्ति में भारत के हितों को कोई नुकसान नहीं होगा। हम यह सुनिश्चित करेंगे कि यह अनुचित खोल, अनुचित मुकाबला हमारे अनुबंधों को प्रभावित न करें। अमेरिका के जापान, भारत समेत अन्य देशों पर रूसी तेल न खरीदने के दबाव को अनुचित बताते हुए लावरोव ने कहा, यह औपनिवेशक (कॉलोनियल) या नव–औपनिवेशक तरीके हैं, आप इसे कुछ भी कह सकते हैं लेकिन यह दूसरों के शोषण करने के तरीकों की बात कर रहे हैं। इसके अलावा लावरोन ने कहा कि भारत की आजादी के बाद लंबे समय तक कोई भी पश्चिमी देश भारत की सैन्य क्षमता विकसित करने में मदद करने के लिए तैयार नहीं था। रूस ने भारत को न सिर्फ हथियार उपलब्ध कराए बल्कि कई तरह के हथियारों के उत्पादन के लिए तकनीक भी साझा की। रूसी विदेश मंत्री यहां न केवल भारत को रूस की दोस्ती याद दिला रहे हैं, बल्कि शायद नेहरू से लेकर मनमोहन सिंह तक का दौर भी याद दिला रहे हैं, जब अमेरिका के आगे रूस को ही भारत ने तरजीह दी। जानकारों का भी मानना है कि इस समय रूस से तेल खरीदना ही हमारे लिए फायदेमंद है, क्योंकि जिन भी देशों से हम तेल खरीदते हैं वह इतने बड़े नहीं हैं कि वह रूस के बराबर तेल दे सकें। हमें तुरंत रूस से अनुबंध करना चाहिए और अमेरिका के गुस्से की जरा भी परवाह नहीं करनी चाहिए।

सीमा वर्णिका की कलम से- अधूरी कहानी

लोग कहते थे कि ऊपर वाले कमरे में कोई आता है अक्सर खटपट सुनाई देती। असल में वह कमरा रमादेवी जी का था। वह बहुत बड़ी साहित्यकारा थीं। सुना है अचानक उनके सीने में दर्द हुआ और उन्होंने थोड़ी देर में ही दम तोड़ दिया। अकेले रहतीं थी। तबसे कमरा बंद पड़ा था। नीचे का भाग बच्चों ने किराए पर उठा दिया था ।

अक्सर लोगों ने देखा था उस कमरे से रोशनी बाहर आते। धीरे–धीरे यह चर्चा आसपास मुहल्ले में भी फैल गई। किराएदार भी घर छोड़ कर चले गये। उस घर में राधिका, रमा देवी की सेविका के रूप में बरसों से रह रही थी बस वही बची थी। सब कहते तुम्हें डर नहीं लगता।

वह कहती,ष्अरे! वह मेरी माँ जैसी थीं उनसे कैसा डरष्।

अब पड़ोसी लोग उस कमरे पर गौर करने लगे थे।

कुछ लोगों को ऐसा प्रतीत हुआ जैसे राधिका देर रात कमरे में जाती है फ़िर भोर से पहले नीचे आ जाती है। लोगों का कुतूहल बढ़ता जा रहा था।

ष्क्या करने जाती है ऐसा उस कमरे में क्या है.. वह तो ज्यादा पढ़ी लिखी भी नहीं है,ष्लोग पशोपेश में पड़े थे।

दो महीने बाद अखबार में फ्रंट पेज पर समाचार देख लोगों के होश उड़ गए । रमा देवी की प्रतियोगिता में मात्र पन्द्रह दिन पहले भेजी गयी उनकी कहानी पुरस्कृत हुई थी । यह कैसे सम्भव है उनके गुज़रे तो दो महीने हो गए..हो सकता है उनके बच्चों ने भेजी हो। वहाँ से भी प्रत्युत्तर में निराशा ही मिली बल्कि वह भी आश्चर्य में डूबे हुए थे।

सबने निर्णय लिया कि इस बारे में राधिका शायद कुछ जानती हो। सबने घेर कर उससे पूछा, ष्क्या जानती हो इस विषय में ष्क्योंकि रमा जी के बच्चे तो अनभिज्ञ हैं इसका अर्थ यह है कि तुम कुछ न कुछ अवश्य जानती हो।

पहले तो राधिका दाएँ बाएँ होकर बचती रही फिर दबाव बढ़ने पर असमंजस में पड़ गयी।

ष्अच्छा यह बताओ कि यह कहानी क्या रमा जी ने तुम्हें पोस्ट करने को दी थी,ष्पड़ोसी मिश्रा जी बोले।

ष्हाँ ,ष्राधिका हकलायी।

कब ?

राधिका चुप हो गयी। वह बहुत घबरायी हुई थी।

उसने धीरे से बताना शुरू किया।

जब रमा माई नहीं रहीं तो वह बहुत उदास थी उसे लग रहा था कि काम भी गया छत भी। साथ माई से बहुत लगाव था वह अलग ।

तेरहवीं के बाद जब सब चले गये।भइया घर की देखभाल करने के लिए हमें यहीं रहने को बोले थे।

अभी एक हफ्ते ही बीता था । वह अपने कमरे में सो रही थी। उसे लगा किसी ने उसे आवाज़ दी। वह भयभीत हो गयी उसने अपनी आँखे और जोर से बंद कर लीं पूरा शरीर काँप रहा था। थोड़ी देर बाद शान्ति हो गयी। उसने उठकर लाइट जलायी देखा कोई नहीं था। ऐसे दो तीन तक सिलसिला चला। फिर एक रात उसे लगा माई बुला रही है उसने चौंक कर आँखे खोली तो सही में माई सामने कुर्सी पर बैठी थी।

अरे! माई आप..फिर अनायास याद आया कि यह तो दुनिया में नहीं हैं। उसकी रूह कांप उठी।

ष्डरो नहीं रधिया,ष माई बोली

उसे माई प्यार से रधिया बुलाती थीं।

ष्तुम्हें मेरा एक काम करना है,ष्माई बोलीं।

ष्बताओ माई! क्या करना है,ष्राधिका सहज होने लगी थी।

चलो ऊपर मेरा कमरा खोलो वहीं बताते ,ष माई ने आदेश दिया।

वह दोनों थोड़ी देर में कमरे में थे।

ष्देखो हम जो बोलें वह तुम लिखती जाना ,ष माई बोलीं।

शायद कोई कहानी लिख रहीं थीं उन दिनों..अधूरी पड़ी थी। उन्होंने उधर इशारा किया और सारे कागज पत्तर मगँवाए।

लेकिन माई हमें कहाँ आप जैसा लिखना पढ़ना आता है,ष्राधिका बोली।

तुम इसकी चिंता न करो सब हो जाएगा।

ष्पता नहीं बाबू जी हम कइसे लिख रहे थे हमें तो खुद पर विश्वास नहीं हो रहा था ,ष राधिका की आवाज़ में कपकंपाहट थी।

पन्द्रह दिन बीत गए एक रात माई ने अल्मारी से एक लिफाफा निकलवाया और तैयार करवा कर हमसे अगले दिन पोस्ट करने को बोला । उसके बाद माई फिर कभी नहीं आयीं।

यह कह कर राधिका फूट फूट कर रोने लगी। लोग हतप्रभ से बाहर निकल आए।

लोगों को ऊपर कमरे की लाइट भी अब जलती नहीं दिखती थी।

–सीमा वर्णिका,
कानपुर

रचना सक्सेना के गीत

नही आदि है नहीं अंत है, सुखद सदा परिणाम।
सोच सनातन की शुद्ध यही, सबका हो कल्याण।।

चिंतन और मनन या तप में, थी वैज्ञानिक सोच।
ऋषि मुनियों के नित प्रयास से,दिखता जिसमें लोच।।
वेद पुराण और गीता ने फूके जन - जन प्राण।
सोच सनातन की शुद्ध यही, सबका हो कल्याण।।

नभ से धरती हर कण कण में, प्रभु सदा विद्यमान।
जीव जन्तु तरु पशु पक्षी सब, कुनबा एकल मान।।
जन जन को बतलाया जिससे,मिला स्वच्छ परिणाम।
सोच सनातन की शुद्ध यही, सबका हो कल्याण।।

तन - मन स्वस्थ योग से होता, बहुत जरूरी ध्यान।
सोलह संस्कारों से जीवन,दिया कीमती ज्ञान।।
आश्रम में बाटा यह जीवन, किया वर्ण निर्माण।
सोच सनातन की शुद्ध यही, सबका हो कल्याण।।

रचना सक्सेना
प्रयागराज

खाली समय में पुरानी फिल्में देखती हूँः समीरा रेड्डी

फिलहाल समीरा फिल्मों में तो नजर कम ही आ रही हैं, लेकिन चर्चा में वे लगातार बनी रहती हैं। एक तरफ वे कमर्शियल फिल्मों में ग्लैमरस रोल कर रही हैं तो दूसरी ओर कला फिल्मों में उत्कृष्ट अभिनय कर लोगों को प्रभावित कर रही हैं। हाल ही में नीलम कोठारी ने उनसे बातचीत की। पेश है बातचीत के प्रमुख अंश रू समीरा, कभी आपने सोचा था कि आप एक साधारण परिवार से यहाँ तक आएँगी? ईमानदारी से कहूँ तो मैंने भी बाकी लोगों की तरह नेम और फेम के लिए सोचा था। पर यह भी सुना था कि अकसर फिल्मी दुनिया की चकाचौंध में कइयों के सपने टूटते हैं। मैने यहाँ पर सफलता पाने के लिए खूब मेहनत की, पर मै इसके नकारात्मक परिणाम के लिए भी तैयार थी। फिल्मी दुनिया मे आने का खयाल कैसे आया? यह खयाल बचपन से मेरे दिमाग पर था और हर लड़की की तरह मै भी पर्दे पर आना चाहती थी, एक दिन मम्मी से बातें करते मैंने ठान लिया कि मुझे फिल्मों में जाना हैं। कैसा लगता है जब लोग आपको स्टार कहते है? अच्छा लगता है। आप एक सेल्फ डिपेन्डेंट लड़की हैं। क्या लाइफ में कभी ऐसा हुआ जिससे आप हताश हुई हो? मै सेल्फ डिपेन्डेंट बचपन से हूँ। लाइफ में कई बार ऐसा होता है कि जब हम हताश होते हैं। मेरे शुरुआती दिन काफी स्ट्रगल भरे थे। उस दौरान कई बार मै हताश हो जाती थी। म्यूजिक वीडियो और मॉडलिंग से फिल्मी दुनिया तक सफर कैसा रहा? यह मेरे लिए बहुत बड़ा चौलेंज था। पर मैंने इसे पाने के लिए खूब मेहनत की, मॉडलिंग से स्टारडम तक का रास्ता बेहद खूबसूरत व चौलेंजिग था। आपकी मनपसन्द चीजें क्या हैं, जिन्हें आप अपने खाली समय में करती हैं? मुझे, डांस, म्यूजिक और खाना पसन्द है। खाली समय मै पुरानी फिल्में देखती हूँ। अगर बॉलीवुड में न होती तो कहाँ होती? मै बचपन से ही क्लासिक डांस में रूचि रखती हूँ , तो यदि मै बॉलीवुड में ना होती तो मैं निश्चित ही एक क्लासिकल डांसर होती। आपके मुताबिक एक आम लड़की को स्टारडम तक पहुँचने की क्या क्वालिटी होनी चाहिए? प्रतिभा होना जरूरी है। आप टैलेंटेड होते हैं तो आपके अन्दर आत्मविश्वास और हिम्मत खुद ही आ जाते हैं। यही टैलेंट आपको सामान्य व्यक्ति से स्टार बना देता है। बॉडी पॉजिटिविटी पर हाल ही में पोस्ट करने के लिए सराही गई समीरा रेड्डी ने अपनी तमिल फिल्म श्वारनम आयिरमश का एक पुराना वीडियो शेयर किया। गौतम मेनन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में सूर्या और समीरा रेड्डी मुख्य भूमिकाओं में थे। समीरा ने फिल्म में मेघना का किरदार निभाया था, जिसकी विषयवस्तु की काफी सराहना हुई थी। श्वारनम आयिरमश आज भी समीरा और सूर्या के करियर की एक महत्वपूर्ण फिल्म मानी जाती है। पुरानी यादों को ताजा करते हुए, समीरा ने फिल्म श्वारनम आयिरमश के गाने श्नेनजुकुल पेइधिडमश का एक वीडियो क्लिप साझा किया। हैरिस जयराज द्वारा रचित यह रोमांटिक गाना आज भी इंटरनेट यूजर्स के बीच काफी लोकप्रिय है। समीरा ने बताया कि उनकी सास ने उनसे पूछा कि लोग उन्हें अभी भी मेघना क्यों कहते हैं। अभिनेत्री ने एक खास कैप्शन के साथ इसका जवाब दिया। आपको पसंद आ सकने वाली कहानियाँ मेरी सास ने मुझसे पूछा कि लोग मुझे श्मेघनाश क्यों कहते हैं और मैंने उन्हें बताया कि ऐसा इसलिए है क्योंकि वह मेरे करियर का सबसे जादुई हिस्सा हैं और वह हमेशा मेरे जीवन का एक हिस्सा रहेंगी रुअंतंदंउंलपतंउ रुहतंजपजनकम रुर्सिीइंबा रुबंतममत रुइसमेमक रुजींदालवन (पब)।ष समीरा रेड्डी प्रसवोत्तर अवसाद और गर्भावस्था से संबंधित अन्य समस्याओं से जूझ रही युवा माताओं के लिए एक योद्धा की तरह काम कर रही हैं। अपने इंस्टाग्राम पोस्ट के माध्यम से, वह अवसाद के बारे में जागरूकता फैला रही हैं।समीरा अपने परिवार, विशेषकर अपने दो बच्चों, हंस वर्दे और नायरा वर्दे के साथ अच्छा समय बिता रही हैं । हाल ही में, उन्होंने एक वीडियो साझा किया जिसमें एक युवा माँ ने उन्हें संदेश भेजा था क्योंकि बच्चे को जन्म देने के बाद उन्हें लग रहा था कि उनका रूप बदल गया है। समीरा रेड्डी ने 2013 में फिल्मों को अलविदा कह दिया। उन्हें आखिरी बार कन्नड़ फिल्म श्वरदनायकाश में देखा गया था। इसी फिल्म से उन्होंने कन्नड़ फिल्मों में डेब्यू किया था।मुझे, डांस, म्यूजिक और खाना पसन्द है। खाली समय मै पुरानी फिल्में देखती हूँ। अगर बॉलीवुड में न होती तो कहाँ होती? मै बचपन से ही क्लासिक डांस में रूचि रखती हूँ , तो यदि मै बॉलीवुड में ना होती तो मैं निश्चित ही एक क्लासिकल डांसर होती। आपके मुताबिक एक आम लड़की को स्टारडम तक पहुँचने की क्या क्वालिटी होनी चाहिए? प्रतिभा होना जरूरी है। आप टैलेंटेड होते हैं तो आपके अन्दर आत्मविश्वास और हिम्मत खुद ही आ जाते हैं। यही टैलेंट आपको सामान्य व्यक्ति से स्टार बना देता है। बॉडी पॉजिटिविटी पर हाल ही में पोस्ट करने के लिए सराही गई समीरा रेड्डी ने अपनी तमिल फिल्म श्वारनम आयिरमश का एक पुराना वीडियो शेयर किया। गौतम मेनन द्वारा निर्देशित इस फिल्म में सूर्या और समीरा रेड्डी मुख्य भूमिकाओं में थे। समीरा ने फिल्म में मेघना का किरदार निभाया था, जिसकी विषयवस्तु की काफी सराहना हुई थी। श्वारनम आयिरमश आज भी समीरा और सूर्या के करियर की एक महत्वपूर्ण फिल्म मानी जाती है। पुरानी यादों को ताजा करते हुए, समीरा ने फिल्म श्वारनम आयिरमश के गाने श्नेनजुकुल पेइधिडमश का एक वीडियो क्लिप साझा किया। हैरिस जयराज द्वारा रचित यह रोमांटिक गाना आज भी इंटरनेट यूजर्स के बीच काफी लोकप्रिय है। समीरा ने बताया कि उनकी सास ने उनसे पूछा कि लोग उन्हें अभी भी मेघना क्यों कहते हैं।

शेफाली ' जरीवाला की मौत पर एंटी-एजिंग इंजेक्शन वाली अफवाहों पर पति ने खोला राज

ग्लैमर इंडस्ट्री की जानी–मानी अभिनेत्री शेफाली' जरीवाला के असमय निधन के बाद उठी अटकलों पर अब उनके पति पराग त्यागी ने खुलकर प्रतिक्रिया दी है। लंबे समय से सोशल मीडिया पर यह दावा किया जा रहा था कि उनकी मौत एंटी–एजिंग इंजेक्शंस की वजह से हुई, जिसे पराग त्यागी ने सिरे से खारिज कर दिया है। पराग त्यागी ने एक इंटरव्यू में साफ कहा कि शेफाली ने कभी भी डाइटिंग, स्किन ट्रीटमेंट या एंटी–एजिंग इंजेक्शन का इस्तेमाल नहीं किया था। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर फैली ऐसी बातें पूरी तरह गलत और बेबुनियाद हैं। पराग के मुताबिक, उनकी पत्नी हमेशा एक सामान्य और हेल्दी लाइफस्टाइल जीती थीं। उन्होंने यह भी कहा कि ऑनलाइन फैलने वाली "व्हाट्सऐप यूनिवर्सिटी" वाली खबरों पर भरोसा नहीं करना चाहिए, क्योंकि ये अक्सर सच्चाई से कोसों दूर होती है। पराग ने बताया कि शेफाली की डाइट पूरी तरह साधारण थी। वे घर का बना खाना जैसे दाल, सब्जी और रोटी खाती थीं। हां, प्रोटीन इनटेक थोड़ा ज्यादा था, लेकिन इसका मतलब यह नहीं कि कोई असामान्य लाइफस्टाइल थी। उन्होंने कहा कि परिवार साथ बैठकर खाना खाता था और कभी किसी तरह की एक्सट्रीम डाइट या इंजेक्शन पर निर्भरता नहीं थी। अफवाहों पर प्रतिक्रिया देते हुए पराग ने भारत के जाने–माने उद्योगपति रतन टाटा का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि अगर सच में उम्र रोकने या बढ़ाने जैसी कोई तकनीक होती, तो ऐसे लोग आज भी जीवित होते। पराग ने तंज कसते हुए कहा कि अगर कोई ऐसा इंजेक्शन होता जिससे इंसान हमेशा जवान रह सके, तो हर कोई इसका इस्तेमाल कर रहा होता। पराग त्यागी ने कहा कि जीवन और मृत्यु को लेकर बहुत कुछ इंसान के बस में नहीं होता। उन्होंने कहा कि जब किसी का समय आता है, तो उसे रोका नहीं जा सकता। उनका कहना था कि बेवजह की अफवाहों से परिवार को दुख होता है और लोगों को ऐसी बातों से बचना चाहिए। इंटरव्यू के दौरान पराग ने सनातन धर्म को लेकर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि सनातन सिर्फ एक धर्म नहीं, बल्कि जीवन जीने का एक तरीका है। उनके मुताबिक, यह दर्शन सवाल पूछने, समझने और जीवन को अनुशासन के साथ जीने की सीख देता है। उन्होंने कहा कि आज के समय में बढ़ते तनाव और मानसिक स्वास्थ्य की समस्याओं के बीच यह विचारधारा लोगों को शांति और संतुलन दे सकती है।

फिल्म प्रोड्यूसर फिरोज नाडियाडवाला ने साल 2000 में रिलीज हुई फिल्म हेरा फेरी के कॉपीराइट और रीमेक राइट्स को लेकर मुंबई के अंबोली पुलिस स्टेशन में फ्रॉड की शिकायत दर्ज कराई है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, नाडियाडवाला ने शिकायत में कहा कि विवाद साल 1989 की मलयालम फिल्म रामजी राव स्पीकिंग से जुड़ा है, जिस पर हेरा फेरी आधारित थी। उन्होंने दावा किया कि साल 2000 में उन्होंने सुरेश कुमार सिंघल से 4.5 लाख रुपए में कुछ रीमेक राइट्स कानूनी रूप से खरीदे थे। शिकायत में कहा गया कि फिल्म रिलीज से सात दिन पहले कुछ लोगों ने दबाव बनाकर उनसे पैसे ऐंठने की कोशिश की। नाडियाडवाला के अनुसार, उन्हें भारी इन्वेस्टमेंट और संभावित नुकसान के डर से पेमेंट करना पड़ा, जबकि कोर्ट ने उनके पक्ष में स्टे ऑर्डर दिया था। पुलिस ने केस दर्ज किया नाडियाडवाला ने यह भी आरोप लगाया कि 2022 में ओरिजिनल फिल्म से जुड़े पक्षों ने पहले से बिके राइट्स को दोबारा बेच दिया। शिकायत के आधार पर पुलिस ने गोपाला पिल्लई विजयकुमार।

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी एक बार फिर अपने लुक को लेकर चर्चा में है. हाल ही में वो मुंबई में श्द डेविल वेयर्स प्रादा 2श की स्क्रीनिंग में नजर आई थीं, जिसमें उनके ग्लैमरस और एलिगेंट लुक ने हर किसी का ध्यान खींच लिया. इसी बीच कियारा ने कई तस्वीरें अपने इंस्टाग्राम पर शेयर की है, जिसमें वो बहुत ही खूबसूरत लग रही हैं. तो आइए उनके लुक पर एक नजर डालते है. कियारा का रेड बॉडी–हगिंग गाउन बहुत एलिगेंट है, जिसका हाई नेक डिजाइन उन्हें ग्लैमरस बना रहा है. ये ड्रेस उनकी फिगर को खूबसूरती से हाइलाइट कर रही हैं. उनके बाल सॉफ्ट वेव्स में खुले हुए हैं, जो मिडल पार्टिंग के साथ स्टाइल किए गए हैं. हेयरस्टाइल बहुत स्मूद और शाइनी लग रहा है, जो उनके पूरे लुक को क्लासी टच देता है. कियारा ने न्यूड और ग्लोइंग मेकअप रखा है, जिसमें सॉफ्ट आईशैडो, डिफाइंड ब्रोज और न्यूड लिपस्टिक है. उन्होंने मिनिमल ज्वेलरी पहनी है, जिसमें बड़े गोल्डन स्टेटमेंट ईयररिंग्स और हाथ में कुछ ब्रेसलेट्स दिखाई दे रहे हैं. ये एक्सेसरीज़ उनके रेड ड्रेस के साथ परफेक्ट कॉन्ट्रास्ट बनाते हैं. कियारा ने मैचिंग रेड हाई हील्स पहनी हैं, जो उनके आउटफिट के साथ बिल्कुल मैच कर रही हैं. हील्स का डिजाइन शाइनी है, जो उनके पूरे लुक को और भी स्टाइलिश बना रहा है।

रात के चावल बच गए हैं? सिर्फ 4-5 चीजें मिलाकर बनाएं टेस्टी आइसक्रीम, बच्चे बार-बार मांगेंगे!

❍ आइसक्रीम खाने का मन हो तो रात के बचे हुए चावल में 4–5 चीजें मिलाकर आप घर पर ही रिच एंड क्रीमी आइसक्रीम बनाकर तैयार कर सकते हैं। रेसिपी काफी सिंपल है और बिल्कुल मार्केट जैसी आइसक्रीम बनती है। एक बार जरूर ट्राई करें।

गर्मियों में घर की बनी हुई आइसक्रीम खाना सभी को पसंद होता है। हालांकि इसमें इतने फैंसी इंग्रेडिएंट्स जैसे व्हिप्ड क्रीम और कंडेंस्ड मिल्क का यूज होता है कि मार्केट से आइसक्रीम लाना ही सिंपल ऑप्शन लगता है। लेकिन क्या हो अगर घर की बची–कुची चीजों से भी एकदम मार्केट जैसी आइसक्रीम बना ली जाए? जी हां, अगर आपके यहां भी रात के चावल अक्सर बच जाते हैं, तो सुबह उन्हें फेंकने से बढ़िया है कि आप आइसक्रीम बनाकर तैयार कर लें। बचे हुए चावल की आइसक्रीम सुनने में अटपटी लग सकती है, लेकिन खाने में ये इतनी टेस्टी होती है कि कोई बता नहीं सकता कि इसे आपने घर पर बनाया है। खासकर ये तो आपको भी कहीं से नहीं लगेगा कि ये बचे हुए चावल से बनी है। तो चलिए फटाफट से ये समर स्पेशल रेसिपी सीख लेते हैं।

चावल से आइसक्रीम बनाने के लिए सामग्री

रात के बचे हुए चावल से आप मार्केट जैसी क्रीमी और रिच आइसक्रीम बनाकर तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आपको ज्यादा चीजों की भी जरूरत नहीं। बस दो तीन चम्मच बचे हुए चावल ले लें और मिल्क पाउडर (2 चम्मच), फुल क्रीम दूध (1 कप), चीनी (2 चम्मच), हरी इलायची (3–4) और पका हुआ आम। आम का साइज बड़ा है तो एक आम काफी है, छोटे आम हैं तो दो ले सकते हैं।

बचे हुए चावल से आइसक्रीम कैसे बनाएं?

बचे हुए चावल से आइसक्रीम बनाना काफी सिंपल है। इसके लिए बस एक मिक्सर में थोड़े से चावल लें, उसमें दो चम्मच मिल्क पाउडर और फ्लेवर के लिए 3–4 हरी इलायची डाल दें। मिल्क पाउडर पहले से ही मीठा होता है, इसलिए चीनी थोड़ी काम मात्रा में मिलाएं। अब इसमें लगभग एक कप गाढ़ा दूध डालें। आप कच्चा या उबला हुआ कैसा भी दूध इस्तेमाल कर सकते हैं।

चूंकि गर्मियों का सीजन है तो आइसक्रीम में आम का फ्लेवर देना तो बनता है। यकीन मानिए एक मीठा पका हुआ आम आपकी आइसक्रीम के स्वाद को बदलकर रख देगा। इसके लिए आम को छोटे–छोटे टुकड़ों में काट लें। थोड़ा सा आम बचाकर रख लें, इसे और भी बारीक टुकड़ों में काटें। आइसक्रीम खाते हुए ये टुकड़े मुंह में आते हैं तो काफी टेस्टी लगते हैं।

अब बाकी चीजों के साथ मिक्सर में आम के टुकड़े डालें और सभी चीजों को अच्छे से ब्लेंड कर लें। एक गाढ़ा सा आइसक्रीम बेस बनकर तैयार हो जाएगा। इसे एक बर्तन में निकाल लें, इसमें बारीक कटे हुए आम के टुकड़े मिलाएं और मिक्स कर लें। अब इस बैटर को किसी ढक्कन वाले कंटेनर में ट्रांसफर करें और फ्रिजर में 6–7 घंटे या रातभर के लिए सेट होने छोड़ दें। आइसक्रीम बनकर तैयार हो जाएगी। इसे छोटे–छोटे टुकड़ों में काट लें, ऊपर से ड्राई फ्रूट्स या टूटी–फ्रूटी से गार्निश करें।

पेट में कीड़े होने पर शरीर देने लगता है ये संकेत, भूलकर भी ना करें इग्नोर

❍ बार-बार पेट दर्द, भूख कम लगना या कमजोरी महसूस होना कभी-कभी पेट में कीड़ों का संकेत हो सकता है। यह समस्या बच्चों और बड़ों दोनों में हो सकती है, इसलिए इसके लक्षण और बचाव के तरीके जानना जरूरी है।

पेट में कीड़े होना एक आम समस्या मानी जाती है। यह समस्या बच्चों में ज्यादा देखी जाती है, लेकिन बड़े भी इसकी चपेट में आ सकते हैं। गंदा खाना, दूषित पानी, साफ–सफाई की कमी और बिना हाथ धोए खाना खाने से पेट में कीड़े पहुंच सकते हैं। ये कीड़े आंतों में जाकर शरीर से पोषण लेने लगते हैं, जिससे कमजोरी और कई दूसरी परेशानियां हो सकती हैं।

पेट में कीड़े होने के आम लक्षण

पेट दर्द और मरोड़ : अगर बार–बार पेट में दर्द या मरोड़ हो रही हो, तो यह पेट में कीड़ों का संकेत हो सकता है। कुछ लोगों को पेट में भारीपन भी महसूस हो सकता है।

भूख कम या ज्यादा लगना : पेट में कीड़े होने पर कुछ लोगों की भूख कम हो जाती है, जबकि कुछ लोगों को बार–बार भूख लग सकती है।

वजन कम होना : अगर सही खाना खाने के बाद भी वजन घट रहा हो, तो यह भी पेट में कीड़ों की वजह से हो सकता है। क्योंकि कीड़े शरीर का पोषण खुद लेने लगते हैं।

कमजोरी और थकान : शरीर में जरूरी पोषण की कमी होने लगती है, जिससे कमजोरी और हर समय थकान महसूस हो सकती है।

गुदा के आसपास खुजली : खासतौर पर रात के समय गुदा के आसपास खुजली होना पेट में कीड़ों का एक सामान्य संकेत माना जाता है।

पेट फूलना और गैस : कुछ लोगों को गैस, पेट फूलना और अपच जैसी समस्याएं भी हो सकती हैं।

क्या हर दिन तेल मालिश करने से बढ़ सकता है ब्रेस्ट साइज? हेल्थ एक्सपर्ट ने बताया पूरा सच

❍ कई महिलाएं ब्रेस्ट के साइज को बढ़ाने के लिए तेल मसाज का सहारा लेती हैं, लेकिन इससे खास असर नहीं दिखता। आज हम डॉक्टर से जानेंगे कि क्या वाकई तेल मसाज करने से ब्रेस्ट साइज बढ़ता है?

महिलाओं के लिए ब्रेस्ट साइज कई बार कॉन्फिडेंस और बॉडी इमेज से जुड़ा मामला बन जाता है। यही वजह है कि इंटरनेट और सोशल मीडिया पर ब्रेस्ट साइज बढ़ाने के घरेलू नुस्खे अक्सर वायरल होते रहते हैं। इनमें तेल मालिश को सबसे ज्यादा असरदार तरीका बताया जाता है। कई महिलाएं रोजाना तेल से मसाज करती हैं, जिससे ब्रेस्ट का आकार बढ़ जाए। नारियल, सरसों, ऑलिव ऑयल ब्रेस्ट साइज बढ़ाने के लिए ज्यादा असरदार बताए जाते हैं लेकिन क्या वाकई इन तेलों से आपके स्तनों का आकार बढ़ सकता है। गुरुग्राम की एमबीबीएस, प्लास्टिक सर्जन डॉक्टर प्रीति यादव ने इस बारे में सही राय दी है। उन्होंने बताया कि तेल मालिश से ब्रेस्ट क्या फायदे मिलते हैं।

क्या बढ़ता है ब्रेस्ट साइज?

डॉक्टर का कहना है कि किसी भी तेल से मालिश या मसाज या दवाई–औषधि से आप ब्रेस्ट के साइज को नहीं बढ़ा सकते। अगर आपको वाकई इन्हें बढ़ाना है तो सिर्फ प्लास्टिक सर्जरी ही एकमात्र तरीका होता है, जिसे हीरोइन अपनाती हैं। अगर आप किसी आयुर्वेदिक दवाई या हर्बल ड्रिंक या किसी भी खास तेल से रोजाना स्तनों की मसाज कर रही हैं, तो कोई खास फायदा नहीं मिलेगा।

तेल मसाज से क्या होता है

ब्रेस्ट पर तेल से मसाज करने से स्किन को नमी मिल सकती है और ब्लड सर्कुलेशन बेहतर हो सकता है। इससे त्वचा थोड़ी मुलायम या टाइट लगेगी, लेकिन इससे ब्रेस्ट साइज स्थायी रूप से बढ़ने का कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है। कुछ महिलाओं को रात में मसाज करने से रिलैक्सेशन और हल्का महसूस होता है, क्योंकि मसाज शरीर की मांसपेशियों और टिश्यू में ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर करती है। इससे नींद भी अच्छी आती है, लेकिन ब्रेस्ट का आकार मुख्य रूप से हार्मोन, जेनेटिक्स, उम्र और शरीर में फैट के हिसाब से ही बढ़ता या कम रहता है।

ब्रेस्ट केयर कैसे करें

अगर आप ब्रेस्ट की केयर करना चाहती हैं, तो कुछ तरीकों से इन्हें सुडौल या सही शेप में रख सकती हैं। कई बार होता है कि गलत ब्रा या फिर स्तनपान कराने के बाद महिलाओं के ब्रेस्ट लटक जाते हैं, जो गंदा लुक देते हैं। इससे महिलाएं कॉन्फिडेंस भी खो देती हैं। तो चलिए बताते हैं कुछ केयर टिप्स–

रिलैक्स फील करने के लिए ब्रेस्ट की तेल से हल्के हाथों से मसाज करें, ज्यादा दबाव न डालें।

नारियल, बादाम या ऑलिव ऑयल जैसे हल्के और स्किन–फ्रेंडली तेल इस्तेमाल करें।

रोज एक्सरसाइज करें, खासकर चेस्ट मसल्स को मजबूत करने वाली।

सही साइज की ब्रा पहनें। ज्यादा टाइट ब्रा पहनने से बचें।

प्रोटीन, हेल्दी फैट और विटामिन से भरपूर डाइट लें।

शरीर का वजन बहुत तेजी से घटाने–बढ़ाने से बचें।

नो केमिकल! हल्दी-लौंग वाले पानी से बनाएं होममेड कलर, बालों को मिलेगा डार्क ब्राउन शेड

❍ बाल सफेद हो गए हैं या फिर बालों को कलर करने का मूड हो गया है। पानी में इन चीजों मिलाकर ऐसा पानी तैयार करें। जिसे मेहंदी में मिलाकर लगाने से बालों को डार्क ब्राउन का खूबसूरत शेड मिलेगा।

सफेद बालों को नेचुरल तरीके से कवर करना हो तो बस काला रंग ही याद आता है। और अगर मेहंदी लगा ली तो वो मेहंदी वाला ब्राउन कलर यंग लोगों को पसंद नहीं आता। ऐसे में बालों पर नेचुरली कलर करना हो तो काला कलर करने के अलावा कोई ऑप्शन नहीं दिखता। लेकिन आप कुछ खास इंग्रीडिएंट्स डालकर नेचुरल ब्राउन शेड का हेयर कलर तैयार कर सकती हैं। जिसे लगाने के बाद आपको किसी भी मार्केट वाले हेयर कलर की जरूरत नहीं होगी। यहीं नहीं जिन लोगों को बालों में कलर करवाने का मन है लेकिन केमिकल से डर लगता है वो इसे लगा लें। इससे बालों का कलर ब्राउन शेज में चेंज होगा और खूबसूरत भी दिखेगा। बस मेहंदी में इन चीजों को मिलाकर बालों पर लगाएं।

नेचुरल ब्राउन कलर घर में बनाने के लिए इन सामान की होगी जरूरत

एक–डेढ़ कप पानी
आठ से दस लौंग
एक चम्मच सौंफ
एक चौथाई चम्मच हल्दी
एक चम्मच चाय की पत्ती
एक चम्मच कलौंजी

डीआईवाई डार्क ब्राउन हेयर कलर बनाने का तरीका

घर में आपको बालों को कलर करना है वो भी बगैर केमिकल तो ये फार्मूला आपकी हेल्प कर सकता है। इसकी मदद से बालों का कलर ना केवल डार्क ब्राउन दिखेगा बल्कि बालों में शाइन भी आएगी।

इसके लिए पतीले में डेढ़ कप पानी लेकर गैस पर गर्म होने के लिए रख दें। इसमे सारी सामग्री लौंग, हल्दी, कलौंजी, चाय की पत्ती और सौंफ को डालकर पकाएं।

थोड़ी ही देर में देखेंगी की पानी का कलर बदल रहा है। ये पानी बिल्कुल ब्राउन कलर का हो जाएगा।

बस पानी जब आधा हो जाए तो गैस बंद कर दें। इस पानी को स्टोर करके रख लें।

जब बालों पर कलर लगाना हो तो मार्केट से खुली मेहंदी बिना केमिकल वाली खरीद लें। तैयार पानी में एक से डेढ़ घंटे के लिए भिगो दें और फिर बालों पर लगाएं।

अगर आपके बाल सफेद नहीं है और केवल ब्राउन कलर के लिए इसे लगा रही हैं तो मात्र आधे घंटे बाद ही बालों को वॉश कर लें। इससे बालों में नेचुरल शाइन और कलर मिलेगा।

और, अगर बालों का कलर सफेद है तो उन पर एक से डेढ़ घंटा रखने के बाद बालों को वॉश करें। इस तरह से बालों में अगर मेहंदी को लगाएंगी तो ब्राउन कलर मिल जाएगा।

दिल्ली से महज 6–7 घंटे की दूरी पर हैं ये बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन, बच्चों की छुट्टियों में बना लें प्लान

❍ दिल्ली से 6 से 7 घंटे की दूरी पर बसे ये खूबसूरत हिल स्टेशन जहां आज भी शिमला, नैनीताल और मसूरी की तुलना में भीड़ कम पहुंचती है। बच्चों–फैमिली के साथ ट्रिप प्लान करने के लिए बेस्ट प्लेस है।

बच्चों की गर्मी की छुट्टियां होने वाली हैं और काफी सारे पैरेंट्स रिलैक्स होने के लिए ट्रिप का प्लान कर रहे होंगे। दिल्ली वाले अक्सर कार ड्राइव कर मसूरी, शिमला और नैनीताल पहुंच जाते हैं। लेकिन दिल्ली से महज 6 से 7 घंटे ड्राइव कर इन खूबसूरत हिल स्टेशन की सैर एक बार जरूर कर आएं। जहां पर अभी भी नैनीताल, मसूरी की तुलना में भीड़ कम पहुंचती है। गर्मी में यहां का सुहाना मौसम तपती धूप से राहत देगा और आपके माइंड को भागदौड़ भरी लाइफ से रिलैक्स भी करेगा।

चकराता

दिल्ली से 321 किमी दूर चकराता बेहद खूबसूरत हिल स्टेशन है, जो देहरादून जिले में आता है। वीकेंड पर इस जगह की सैर का प्लान तो आसानी से बनाया जा सकता है। उत्तराखंड के पहाड़ों के सुंदर नजारे, शांति और वाटर फॉल मन को सुकून देंगे। तो अगर पहाड़ों पर फैमिली और फ्रेंड्स के साथ वीकेंड पर घूमने का प्लान बना रहे तो कार ड्राईव के लिए ये जगह बिल्कुल परफेक्ट है।

चायल

दिल्ली से महज 335 किमी दूर बसा है चायल हिल स्टेशन। यहां पर करने के लिए कुछ नहीं लेकिन अगर आप केवल सुकून और शांति की तलाश में किसी हिल स्टेशन पर जाना चाहते हैं तो ऐसे टूरिस्ट्स के लिए ये जगह मुफीद है। ऊंचे–ऊंचे देवदार और पाइन के पेड़ों के बीच पहाड़ों की ऊंची चोटियों को देखने के शौकीन लोगों के लिए ये जगह वीकेंड गेटवे के लिए बिल्कुल परफेक्ट है। जहां आप 5–6 घंटे में बड़े आसानी से पहुंच सकते हैं।

पंगोट

बच्चों के साथ पहाड़ों की सैर करना है तो पंगोट बेस्ट डेस्टिनेशन हो सकती है। यहां पर बनी किलबरी बर्ड सेंचुरी में कई तरह के पक्षी देखने को मिलते हैं। दिल्ली पंगोट की दूरी करीब 317 किमी है और बाई रोड पहुंचने में लगेंगे 7 घंटे। नेचर के नजारे और कैंपिंग के लिए ये जगह बिल्कुल परफेक्ट है।

माशोबरा

दिल्ली से 8 घंटे की ड्राइव के बाद आप माशोबरा टाउन पहुंच सकते हैं। जो हिमाचल की छोटी सी खूबसूरत जगह है। ऊंचे पाइन, ओक और देवदार के पेड़ों से घिरे होने की वजह से ये काफी खूबसूरत दिखता है। एक से दो दिन की ट्रिप के लिए ये जगह बिल्कुल परफेक्ट है।

लैंसडाउन

पहाड़ के किसी छोटे से हिल स्टेशन पर अगर आप फैमिली के साथ एंज्वॉय करना चाहते हैं और शांति के कुछ पल बिताना चाहते हैं तो लैंसडाउन बिल्कुल परफेक्ट डेस्टिनेशन है। यहां पर बोटिंग, कैंपिंग के साथ ट्रैकिंग भी की जा सकती है। साथ ही पहाड़ों पर बने रिजॉर्ट में रुककर आप मी टाइम एंज्वॉय कर सकते हैं। बाई रोड दिल्ली से महज 6 घंटे की दूरी पर ये जगह है।

परवाणु

दिल्ली से मात्र 5 घंटे की दूरी पर खूबसूरत सा हिल स्टिशन है परवाणु। जहां पर आपको ऑर्गेनिक जूस, जैम और फलदार पेड़ों को देखने का मौका मिलेगा। बच्चों को नेचर के करीब लाना चाहते हैं तो इस खूबसूरत हिल स्टेशन की सैर जरूर करें। मात्र एक से दो दिन की ट्रिप के लिए ये जगह बिल्कुल परफेक्ट है।

दादी–नानी वाली 1 ट्रिक से उबालें दूध, पराठे जैसी मोटी मलाई जमेगी! घर पर घी भी बना लेंगी

❍ दूध उबालते हुए ये छोटी-छोटी बातें ध्यान रखेंगी तो पराठे जैसी मोटी मलाई जमेगी। इससे आप घर पर देसी घी भी बना सकती हैं या चाहें तो पराठे या ब्रेड पर लगाकर भी एंजॉय किया जा सकता है।

दूध उबालते हुए मोटी मलाई आए, ये हर कोई चाहता है। कई घरों में आज भी गृहणियां 4–5 दिन की मलाई इक्कठा कर के अच्छा–खासा घी निकाल लेती हैं। यही नहीं ब्रेड पर लगाने या सब्जी बनाने में भी मलाई का इस्तेमाल होता है। हालांकि ये शिकायत भी अक्सर सुनने को मिलती है कि हमारे दूध में तो सिर्फ नाम की मलाई आती है। इतनी पतली और कम मलाई तो किसी भी काम नहीं आती। दरअसल दूध में मोटी मलाई आए, ये भी एक ट्रिक है। दूध को उबालते हुए आपको बस कुछ बातों का ध्यान रखना होता है, जिससे दूध में एकदम पराठे जैसी मोटी मलाई आती है। पूनम देवनानी ने ऐसी ही एक ट्रिक शेयर की हैं, जो आपको एक बार जरूर जान लेनी चाहिए।

हमेशा फुल क्रीम दूध इस्तेमाल करें

अक्सर हम पैसे बचाने के चक्कर में टोंड मिल्क ले लेते हैं। ये सिर्फ पीने के लिए ठीक रहता है लेकिन इसमें बहुत ही थोड़ी मलाई निकलती है। इसलिए अगर आपको मोटी मलाई चाहिए तो हमेशा फुल क्रीम दूध इस्तेमाल करें। इसमें काफी सारी मलाई निकल जाती है, जिससे आप ढेर सारा घी भी बना सकते हैं। मलाई निकालने के बाद टोंड मिल्क बच जाता है, जिसे आप पीने में इस्तेमाल कर सकते हैं।

दूध को सही तरीके से उबालना है जरूरी

दूध को उबलने के लिए रखने से पहले पतीले में थोड़ा सा पानी डालें, फिर दूध डालकर गैस पर चढ़ा दें। पानी डालने से दूध पतीले की तली में बिल्कुल नहीं चिपकेगा। अब दूध को मीडियम फ्लेम पर धीरे–धीरे उबलने दें। जब दूध में उबाल आ जाए तो गैस को बंद कर दें।

काम की टिपरू अगर आप थोड़ी गाढ़ी मलाई चाहते हैं तो उबालने के बाद दूध को 4–5 मिनट के लिए हल्की आंच पर पकने दें। इससे दूध गाढ़ा होता है और मलाई भी ज्यादा जमती है।

फ्रिज में रखने से पहले करें ये काम

गर्म दूध को सीधा फ्रिज में रखने की गलती बिल्कुल ना करें। मलाई सही से सेट हो इसके लिए सबसे पहले दूध पर एक छलनी ढककर उसे हल्का ठंडा होने दें।

ऑरेंज कैप की दौड़ में क्लासेन-सुदर्शन के बीच कड़ी टक्कर, पर्पल कैप पर भुवनेश्वर का दावा मजबूत

नई दिल्ली,एजेंसी। आईपीएल 2026 का सीजन अब समापन की ओर बढ़ रहा है। लीग चरण खत्म होने को है जिसके बाद प्लेऑफ मुकाबले खेले जाएंगे। इस सीजन भी बल्लेबाजों का दम देखने को मिला है जिससे ऑरेंज कैप की दौड़ दिलचस्प हो गई है। फिलहाल इस रेस में हेनरिक क्लासेन और साई सुदर्शन सबसे आगे चल रहे हैं। इन दोनों बल्लेबाजों ने मौजूदा सीजन में 500 रन बनाए हैं, लेकिन क्लासेन अभी शीर्ष पर हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली 12 मुकाबलों में 165 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 484 रन बना चुके हैं और वह ऑरेंज कैप की रेस में तीसरे नंबर पर चल रहे हैं। आईपीएल 2026 के 59वें मैच में शुक्रवार को लखनऊ सुपर जाएंट्स (एलएसजी) ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को सात विकेट से हराया। एलएसजी की इस जीत के नायक मिचेल मार्श रहे, जिन्होंने सिर्फ 38 गेंदों का सामना करते हुए 90 रनों की दमदार पारी खेली। मार्श ऑरेंज कैप की रेस में गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल से आगे निकल गए हैं। मार्श इस सीजन खेले 12 मुकाबलों में 162 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 467 रन बना चुके हैं। वह आईपीएल 2026 में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में छठे नंबर पर आ गए हैं। इस मुकाबले में सीएसके की ओर से 20 रनों की पारी खेलने वाले संजू सैमसन आठवें नंबर पर पहुंच गए हैं। सैमसन इस सीजन 12 मुकाबलों में 164 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 450 रन बना चुके हैं। आरसीबी के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार का पर्पल कैप पर कब्जा बरकरार है। वह इस सीजन अब तक खेले 12 मुकाबलों में 22 विकेट निकाल चुके हैं। वही, गुजरात टाइटंस की जर्सी में खेलते हुए कगिसो रबाडा 21 विकेट के साथ दूसरे नंबर पर हैं। चेन्नई सुपर किंग्स के गेंदबाज अंशुल कंबोज 12 मुकाबलों में 19 विकेट के साथ तीसरे नंबर पर हैं। वहीं, राशिद खान 16 विकेट के साथ चौथे नंबर पर काबिज हैं। एलएसजी के तेज गेंदबाज प्रिंस यादव (16 विकेट) पांचवें और कोलकाता नाइट राइडर्स की ओर से इस सीजन खेल रहे कार्तिक त्यागी 16 विकेट लेकर छठे पायदान पर हैं।

संक्षिप्त

प्रज्ञानंद ने शानदार फॉर्म में चल रहे सिंदारोव को दी मात, कारूआना-गिरी ने खेला ड्रॉ

बुचारेस्ट,एजेंसी। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानंद ने शानदार रणनीतिक कौशल का प्रदर्शन करते हुए फॉर्म में चल रहे विश्व चौंपियनशिप चौलेंजर जावोखिर सिंदारोव को सुपर चेस क्लासिक्स के दूसरे राउंड में मात दी। काले मोहरों से खेलते हुए प्रज्ञानंद ने उस मुकाबले को अपने पक्ष में मोड़ दिया, जो शुरुआती और मध्य चरण में ड्रॉ की ओर जाता दिख रहा था। लगातार चालों के दोहराव के बीच संतुलन की स्थिति बनती दिख रही थी, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने जोखिम उठाते हुए मौके को भुना लिया। अन्य मुकाबलों में अमेरिका के फैबियानो कारूआना और नीदरलैंड के अनीश गिरी के बीच मुकाबला ड्रॉ रहा। वेसली सो और जॉर्डन वैन फॉरेस्ट का मुकाबला भी ड्रॉ में समाप्त हुआ। फ्रांस के मैक्सिम वाचिए-लाग्रेव ने अपने हमवतन अलीरेजा फिरोजा को हराकर दिन की दूसरी जीत दर्ज की। जर्मनी के विंसेंट कीमर ने भी रोमानिया के बोगदान-डैनियल डेअक को पराजित किया। दूसरे दौर के बाद प्रज्ञानंद, कीमर और वाचिए-लाग्रेव 1.5 अंकों के साथ संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। कारूआना, वेसली सो, वैन फॉरेस्ट और गिरी के नाम एक-एक अंक हैं, जबकि फिरोजा, डेअक और सिंदारोव आधे अंक के साथ निचले पायदान पर हैं। यह टूर्नामेंट नौ दौर का है, जिसमें 10 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं और कुल पुरस्कार राशि 3.5 लाख डॉलर है, जिसमें विजेता को एक लाख डॉलर दिए जाएंगे।

सात्विक-चिराग थाईलैंड ओपन के फाइनल में पहुंचे, सेमीफाइनल में मलयेशियाई जोड़ी को दी मात

बैंकॉक,एजेंसी। सात्विकसाईराज रेंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए थाईलैंड ओपन सुपर 500 बैडमिंटन टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। सात्विक-चिराग ने शनिवार को खेले गए सेमीफाइनल में मलयेशिया के गोह जी फेई और नूर इजुद्दीन की जोड़ी को हराया। विश्व की चौथी नंबर कू जोड़ी सात्विक-चिराग ने 2019 और 2024 में यहां खिताब जीता था। इस भारतीय जोड़ी ने सेमीफाइनल में विश्व की नौवें नंबर की मलयेशियाई जोड़ी के खिलाफ दमदार प्रदर्शन किया और 82 मिनट तक चले मुकाबले में 19-21, 22-20, 21-16 से जीत दर्ज करने में सफल रहे। सात्विक-चिराग की जोड़ी थाईलैंड ओपन के फाइनल में तीसरी बार पहुंची है, जबकि मौजूदा सीजन में इस जोड़ी का यह किसी टूर्नामेंट का पहला खिताबी मुकाबला होगा। सात्विक-चिराग की जोड़ी का गोह जी फेई और नूर इजुद्दीन के खिलाफ 8-2 का रिकॉर्ड हो गया है। हालांकि, इस मलयेशियाई जोड़ी ने पिछले साल सात्विक-चिराग को इंडिया ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में मात दी थी। सात्विक-चिराग का फाइनल में पहुंचना भारत के लिए राहत की खबर है क्योंकि शुक्रवार को महिला एकल वर्ग में पीवी सिंधू और पुरुष एकल वर्ग में लक्ष्य सेन क्वार्टर फाइनल में अपने-अपने मुकाबले हारकर बाहर हो गए थे। अब सात्विक-चिराग से ही इस टूर्नामेंट में खिताब जीतने की उम्मीद है। मलयेशियाई जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करके 3-1 की बढ़त बना ली, लेकिन सात्विक और चिराग ने स्कोर 5-5 से बराबर कर लिया। पहले गेम में मलयेशियाई जोड़ी ने ब्रेक तक 11-8 की बढ़त बना ली। चिराग की गलती से शटल नेट में चली गई और अंतर बढ़ गया। पहला गेम मलेशियाई जोड़ी ने 21-19 से जीता। इसके बाद दूसरे गेम में मुकाबला बराबरी का था और स्कोर 3-3 से 6-6 हो गया। भारतीय जोड़ी ने 9-6 की बढ़त बना ली लेकिन चिराग के एक रिटर्न पर शटल नेट में जाने से बढ़त 10-9 की रह गई। ब्रेक के बाद फिर स्कोर 13-13 हो गया। चिराग ने भारत को 16-14 से बढ़त दिलाई, लेकिन फिर रिटर्न नेट में जाने से स्कोर 16-16 हो गया। भारतीय जोड़ी ने फिर 19-16 की बढ़त बनाई और एक समय स्कोर 20-20 था जब भारतीय जोड़ी ने इजुद्दीन का शॉट वाइड जाने पर यह गेम जीता। निर्णायक गेम में भारतीय जोड़ी हावी रही और मलयेशियाई जोड़ी वापसी नहीं कर पाई।

पाकिस्तान की फातिमा ने महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेज पचासा लगाया, ऋचा का रिकॉर्ड टूटा

कराची,एजेंसी। पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम की कप्तान फातिमा सना ने इतिहास रच दिया है। फातिमा ने जिम्बाब्वे के खिलाफ खेले गए तीसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में सिर्फ 15 गेंदों में अर्धशतक लगाया। वह महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाली बल्लेबाज बन गई हैं।

फातिमा ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 19 गेंदों का सामना करते हुए 62 रनों की दमदार पारी खेली। अपनी इस पारी में उन्होंने 10 चौके और दो छक्के लगाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 326 का रहा। फातिमा ने सोफी डिवाइन, फोएबे लिचफील्ड और ऋचा घोष के पिछले रिकॉर्ड को तोड़ दिया, जिन्होंने 18 गेंदों में अर्धशतक लगाया है।

सना 17वें ओवर में बल्लेबाजी करने उतरीं और उन्होंने क्रीज पर आते के साथ ही चौके-छक्कों की बरसात कर डाली। उन्होंने मिचेल मावुंगा की गेंद पर चौका लगाकर अपना खाता खोला। सना ने पारी के 19वें ओवर में जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए नोमवेलो सिबांडा के खिलाफ 24 रन बटोरे। इस ओवर में सना ने तीन चौके और दो छक्के लगाए।

कप्तान की तूफानी पारी के दम पर पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में चार विकेट खोकर स्कोरबोर्डपर 223 रन लगाए, जो महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में टीम का दूसरा सबसे बड़ा स्कोर है। इससे पहले, सीरीज के पहले टी20 में पाकिस्तान ने 237 रन बनाए थे, जो इस फॉर्मेट में टीम का सबसे बड़ा टोटल है। सना के अलावा पाकिस्तान की ओर से सायरना जबीन ने 32 गेंदों में 50 रनों की नाबाद पारी खेली, जबकि आयशा जफर ने 28 गेंदों में 45 रनों का योगदान दिया।

फातिमा सना से पहले महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय में पाकिस्तान की ओर से सबसे तेज अर्धशतक लगाने का रिकॉर्ड निदा डार के नाम था, जिन्होंने साल 2019 में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए मुकाबले में 20 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की थी।

साल 2026 में सना की हालिया फॉर्म कमाल की रही है। वह पाकिस्तान की ओर से क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में इस साल सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज रही हैं। पांच पारियों में सना 206 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 229 रन बना चुकी हैं। पाकिस्तान से मिले 224 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए जिम्बाब्वे की पूरी टीम सिर्फ 90 रन बनाकर ढेर हो गई और मेजबान टीम ने मैच को 133 रनों से अपने नाम किया।

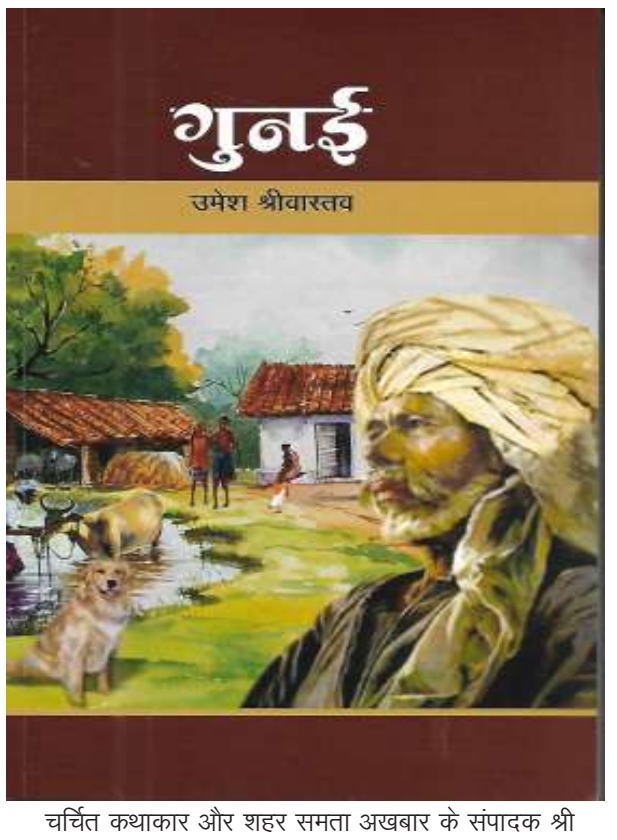

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित

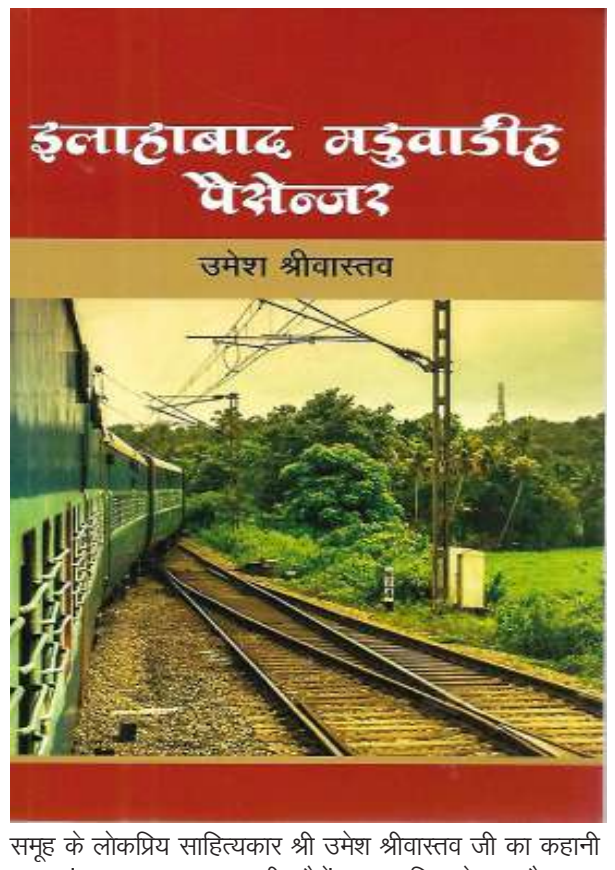

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना।

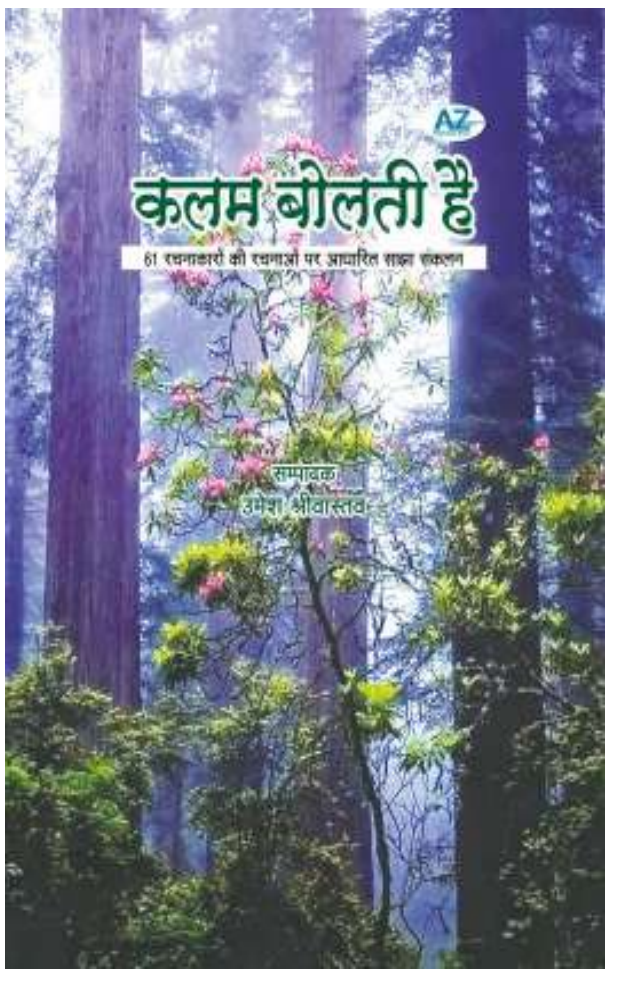

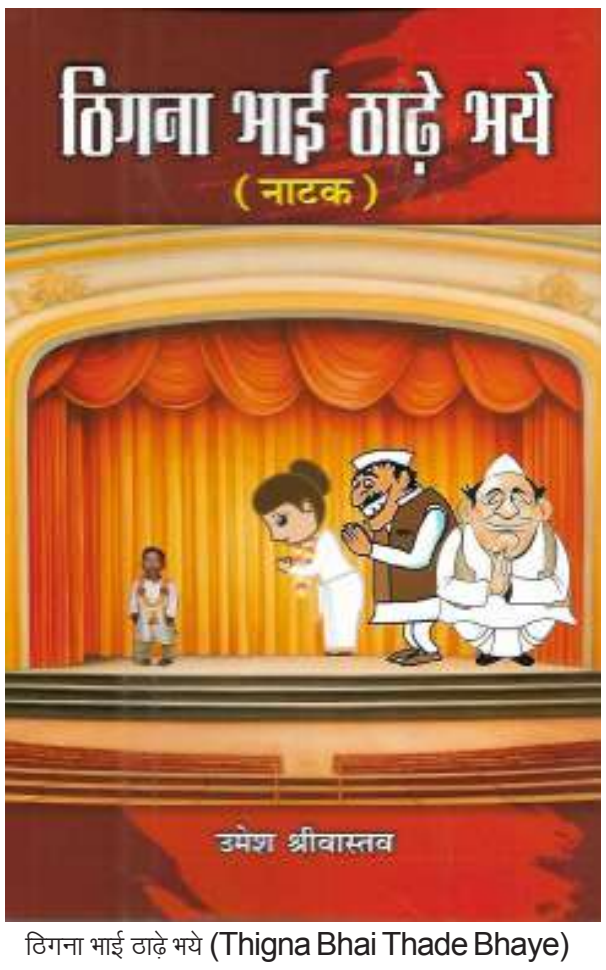

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

संक्षिप्त

ट्रंप की नाराजगी का दिखने लगा असर

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिका ने यूरोप में अपने सैनिकों की संख्या कम करने का बड़ा फैसला लिया है। पेंटागन ने पोलैंड और जर्मनी जाने वाले हजारों सैनिकों की तैनाती रद्द कर दी है। यह कदम राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस आदेश के बाद उठाया गया है, जिसमें उन्होंने यूरोप से करीब 5,000 सैनिक कम करने को कहा था। अमेरिकी अधिकारियों के अनुसार, वह पोलैंड और जर्मनी में होने वाली नई तैनाती को रद्द करके ऐसा कर रहा है, न कि वहां पहले से तैनात सैनिकों को वापस बुला रहे है। अमेरिकी अधिकारियों ने पुष्टि की है कि सेना की पहली कैवेलरी डिवीजन की दूसरी आर्मर्ड ब्रिगेड के 4,000 सैनिकों को इस हफ्ते पोलैंड जाना था, लेकिन अब उनकी रवानगी रोक दी गई है। इसके अलावा, लंबी दूरी के रॉकेट और मिसाइल दागने वाली एक विशेष बटालियन की जर्मनी में होने वाली तैनाती भी रद्द कर दी गई है। यह बटालियन टेक्सास के फोर्ट हुड में स्थित है। बता दे कि, हाल ही में जर्मनी के चांसलर फ्रेडरिक मर्ज ने कहा था कि ईरानी नेतृत्व अमेरिका को अपमानित कर रहा है। उन्होंने युद्ध को लेकर वाशिंगटन की रणनीति की भी आलोचना की थी। इसके बाद ही ट्रंप और पेंटागन ने जर्मनी से कम से कम 5,000 सैनिक कम करने की बात कही थी। हालांकि, इस फैसले को लेकर सेना के भीतर भी कुछ भ्रम की स्थिति दिखी। यूरोप में तैनात कुछ अधिकारियों को यह स्पष्ट नहीं था कि पोलैंड की तैनाती रोकना पहले से घोषित कटौती का हिस्सा है या नहीं। दूसरी ओर, पोलैंड के अधिकारियों का कहना है कि यह फैसला सीधे तौर पर पोलैंड के खिलाफ नहीं है। वहीं, पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने कहा कि उन्हें भरोसा दिलाया गया है कि यह केवल सैन्य प्रबंधन से जुड़ा फैसला है। उन्होंने साफ किया कि इससे पोलैंड की सुरक्षा और दुश्मनों को रोकने की क्षमता पर कोई बुरा असर नहीं पड़ेगा।

चीन से लौटे ट्रंप बोले– तेहरान परमाणु संपन्न नहीं बन सकता, जिनपिंग भी सहमत

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपनी तीन दिनों की चीन यात्रा पूरी कर ली है। इस यात्रा के दौरान उन्होंने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर बातचीत की। ट्रंप ने बताया कि दोनों देश इस बात पर एकमत हैं कि ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकते। चीन से रवाना होने के बाद, एयर फोर्स वन विमान में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि शी जिनपिंग भी यही चाहते हैं कि स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का रास्ता खुला रहे। ट्रंप ने दावा किया कि इस समुद्री रास्ते पर अमेरिका का नियंत्रण है। उन्होंने बताया कि पिछले ढाई हफ्तों से अमेरिका ने वहां नौसैनिक घेराबंदी कर रखी है। इस वजह से ईरान को हर दिन लगभग 50 करोड़ डॉलर का भारी नुकसान हो रहा है। ट्रंप ने कहा, मेरे मन में उनके लिए बहुत सम्मान है। ईरान के मुद्दे पर जिनपिंग का भी मानना है कि उनके पास परमाणु हथियार नहीं हो सकते और वह चाहते हैं कि वे जलडमरूमध्य को खुला रखें। ताइवान के मुद्दे पर भी दोनों नेताओं के बीच लंबी चर्चा हुई। ट्रंप ने बताया कि शी जिनपिंग ताइवान की आजादी की किसी भी कोशिश के सख्त खिलाफ हैं। शी जिनपिंग का मानना है कि ऐसी कोशिशों से बड़ा टकराव पैदा हो सकता है, जिसे वह टालना चाहते हैं। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने शी जिनपिंग की बातों को ध्यान से सुना, हालांकि उन्होंने खुद इस पर कोई टिप्पणी नहीं की।

प्रतिभूति आयोग ने लगाए ये धोखाधड़ी के आरोप, अब न्याय विभाग पर नजरें

न्यूयॉर्क/नई दिल्ली,एजेंसी। भारतीय उद्योगपति गौतम अदाणी अमेरिका में जारी कई कानूनी जांचों के व्यापक समाधान के करीब हैं। इस क्रम में अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग ने अपने दीवानी मामले का निपटारा कर लिया है। न्याय विभाग एवं कोषागार विभाग आने वाले दिनों में समानांतर जांचों को समाप्त कर सकते हैं। मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग (एसईसी) ने बृहस्पतिवार को गौतम अदाणी और उनके भतीजे सागर अदाणी के खिलाफ निवेशकों को किए गए खुलासों से जुड़े दीवानी आरोपों का निपटारा किया। ये आरोप भारत में सौर ऊर्जा परियोजनाओं से संबंधित थे। अदालत के अभिलेखों के अनुसार, गौतम अदाणी ने छह लाख डॉलर और सागर अदाणी ने 1.2 करोड़ डॉलर का भुगतान करने पर सहमति जताई है लेकिन बिना किसी दोष को स्वीकार या अस्वीकार किए। इसके बाद अमेरिकी न्याय विभाग (डीओजे) दोनों के खिलाफ आपराधिक आरोप हटाने की तैयारी कर रहा है। यह कदम अभियोजकों और सुलिवन एंड क्रॉमवेल के वरिष्ठ भागीदार तथा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निजी वकीलों में से एक रॉबर्ट जे जिउफ्रा जूनियर के नेतृत्व वाले व्यापक कानूनी दल के बीच कई महीनों की बातचीत के बाद उठाया जा रहा है। नवंबर 2024 में अमेरिकी प्रतिभूति एवं विनिमय आयोग द्वारा दायर मामले और अमेरिकी न्याय विभाग की आपराधिक शिकायत में आरोप लगाया गया था कि अदाणी समूह ने भारतीय अधिकारियों को 26.5 करोड़ डॉलर की रिश्वत देने की योजना बनाई, ताकि सौर ऊर्जा अनुबंध हासिल किए जा सकें। साथ ही धन जुटाते समय इस योजना को अमेरिकी निवेशकों और बैंकों से छिपाया गया। अभियोजकों ने अदाणी पर प्रतिभूति धोखाधड़ी और वायर धोखाधड़ी के तहत आरोप लगाए थे। हालांकि उन्हें अन्य आरोपियों के खिलाफ लगाए गए विदेशी भ्रष्ट आचरण अधिनियम (एफसीपीए) के तहत रिश्वतखोरी के अधिक गंभीर आरोपों में नामित नहीं किया गया था।

क्रूज जहाज के छह यात्री ऑस्ट्रेलिया में तीन सप्ताह के लिए क्वारंटीन

मेलबर्न (ऑस्ट्रेलिया)। हंतावायरस की मार झेल रहे एक क्रूज जहाज के छह यात्रियों को क्वारंटीन करने का फैसला लिया गया है। शुक्रवार को इन्हें ऑस्ट्रेलिया पहुंचा दिया गया। कम से कम तीन सप्ताह के लिए क्वारंटीन में रखे जाने वाले इन संक्रमितों को किसी से मिलने की अनुमति नहीं होगी। क्रूज जहाज पर हंता वायरस के मामले रिपोर्ट किए गए हैं।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र
शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र
मोबाईल नम्बर 9190052 39332
919450482227

ड्रोन भविष्य के युद्ध की दिशा तय करेंगे, समय के साथ चलना जरूरी, अमेरिकी सेना ने संसद में दी जानकारी

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी सेना ने देश के सांसदों को को बताया है कि ड्रोन, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और बिना इंसानी नियंत्रण वाले सिस्टम आधुनिक युद्ध का तरीका तेजी से बदल रहे हैं। सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि यूक्रेन युद्ध से यह साफ हो गया है कि आने वाले समय में लड़ाइयों में सस्ते, बड़ी संख्या में इस्तेमाल किए जा सकने वाले और मानव रहित हथियारों की सबसे बड़ी भूमिका होगी। अमेरिकी कांग्रेस की हाउस आर्म्ड सर्विसेज कमेटी के सामने पेश हुए अमेरिकी सेना के सचिव डैनियल ड्रिस्कॉल ने कहा कि युद्ध का स्वरूप बहुत तेज गति से बदल रहा है और जो सेनाएं खुद को समय के हिसाब से नहीं बदलेंगी, वे पीछे छूट जाएंगी। ड्रिस्कॉल ने कहा, ड्रोन इंसानों के बीच युद्ध करने के तरीके को पूरी तरह बदल रहे हैं। इतिहास में इतनी तेजी से बदलाव पहले कभी नहीं देखा गया। ये सस्ते होते हैं, जरूरत के हिसाब से बदले जा सकते हैं, बेहद सटीक होते हैं और कई तरह के काम कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना अब तेजी से ऐसे सिस्टम विकसित कर रही है जिनमें एआई, ऑटोमेटेड तकनीक और आधुनिक कमांड सिस्टम शामिल हों। खासतौर पर अमेरिका भविष्य में इंडो–पैसिफिक क्षेत्र में संभावित संघर्षों को ध्यान में रखकर तैयारी कर रहा है।

अमेरिकी सेना के 2027 के बजट पर संसद में तीखी सुनवाई हुई। इसी दौरान अमेरिकी सेना के शीर्ष अधिकारियों ने यह जानकारी संसद को दी। इस दौरान दोनों दलों के प्रतिनिधियों ने भी यूक्रेन युद्ध का जिक्र करते हुए माना कि सस्ते ड्रोन अब निगरानी, दुश्मन को निशाना बनाने और बड़े हमलों में बेहद अहम भूमिका निभा रहे हैं। अमेरिकी सेना के जनरल क्रिस्टोफर लानेव ने कहा कि सेना यूक्रेन और मध्य पूर्व के युद्धों से मिले अनुभवों के आधार पर अपनी ट्रेनिंग और युद्ध रणनीति तेजी से बदल रही है। उन्होंने कहा, हम यूक्रेन और ऑपरेशन एंड्योरिंग फ्रीडम से बहुत कुछ सीख रहे हैं। इन अनुभवों को अब पहले से कहीं ज्यादा तेजी से सेना की ट्रेनिंग और रणनीति में शामिल किया जा रहा है।

अमेरिकी सेना ने ऑपरेशन जेलब्रेक नाम से एक बड़ा प्रोजेक्ट भी शुरू किया है। यह फोर्ट कार्सन में चल रहा है। यहां रक्षा कंपनियां और सेना के इंजीनियर मिलकर ऐसी सॉफ्टवेयर बाधाओं को हटाने की कोशिश कर रहे हैं, जिनकी वजह से अलग–अलग सैन्य सिस्टम आपस में युद्ध संबंधी जानकारी आसानी से साझा नहीं कर पाते। ड्रिस्कॉल ने कहा कि अमेरिका के कई सैन्य सिस्टम अभी भी अलग–अलग बंद ढांचे की तरह काम करते हैं, जिससे जरूरी जानकारी तुरंत साझा करने में दिक्कत होती है। उन्होंने कहा, श्जो भी सिस्टम कोई जानकारी तैयार करे, वह जानकारी अमेरिकी सेना तक कहीं भी तुरंत पहुंचनी चाहिए।

सेना सचिव ने यह भी चेतावनी दी कि भविष्य के ड्रोन युद्धों में केवल इंसानी क्षमता काफी नहीं होगी। ड्रोन और इलेक्ट्रॉनिक हमलों का जवाब देने के लिए एआई की मदद जरूरी होगी। उन्होंने कहा, अगर एक साथ बड़ी संख्या में ड्रोन हमला करें, तो इंसान अकेले इतनी तेजी से प्रतिक्रिया नहीं दे सकता।

इस दौरान अमेरिकी सांसदों ने यह सवाल भी उठाया कि क्या अमेरिकी सेना वास्तव में ड्रोन युद्ध को गंभीरता से ले रही है, क्योंकि छोटे ड्रोन खरीदने के लिए प्रस्तावित बजट पिछले वर्षों की तुलना में कम दिखाई दे रहा है। सांसद यूजीन विंडमैन ने इस मुद्दे पर चिंता जताई। इस पर ड्रिस्कॉल ने कहा कि अमेरिका की रणनीति अभी लाखों ड्रोन जमा करने की नहीं है। उसकी कोशिश ऐसा औद्योगिक ढांचा तैयार करने की है, जो युद्ध शुरू होते ही बहुत कम समय में बड़े पैमाने पर ड्रोन बना सके। उन्होंने कहा, यूक्रेन करीब 50 लाख ड्रोन बना रहा है और रूस भी लगभग उतने ही ड्रोन तैयार कर रहा है। अमेरिका अभी शांति के समय 50 लाख ड्रोन बनाने की स्थिति में नहीं है।

जिनपिंग से मुलाकात के बाद यूएस राष्ट्रपति के बदले सुर, अब ड्रैगन ने चली चाल

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ताइवान–चीन मुद्दे पर बड़ा बयान देते हुए कहा है कि इस समय उन्हें किसी नए युद्ध की जरूरत नहीं है। ट्रंप ने बताया कि उनकी चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ ताइवान को लेकर विस्तार से बातचीत हुई। ट्रंप ने इस बातचीत को ऐतिहासिक बताया और कहा कि इससे दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच तनाव कुछ कम हो सकता है। ट्रंप ने कहा कि शी जिनपिंग ताइवान की स्वतंत्रता की कोशिशों के खिलाफ हैं और उनका मानना है कि इससे बहुत बड़ा टकराव हो सकता है। ट्रंप के मुताबिक, शी जिनपिंग ने साफ कहा कि वह ताइवान की आजादी की लड़ाई नहीं देखना चाहते। हालांकि ट्रंप ने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे पर अपनी ओर से कोई सीधी टिप्पणी नहीं की, लेकिन उन्होंने शी जिनपिंग की बात ध्यान से सुनी। उन्होंने कहा कि चीनी राष्ट्रपति ने अमेरिका द्वारा ताइवान को हथियार बेचने पर भी चिंता जताई। शी जिनपिंग ने यह भी पूछा कि अगर भविष्य में कोई सैन्य संघर्ष होता है तो क्या अमेरिका ताइवान की रक्षा करेगा। इस पर ट्रंप ने जवाब दिया, श्उन्होंने मुझसे पूछा कि क्या मैं उनकी रक्षा करूंगा। मैंने कहा कि मैं इस बारे में बात नहीं करता। ट्रंप ने यह भी संकेत दिया कि अमेरिका जल्द ही तय करेगा कि ताइवान को आगे हथियार बेचे जाएंगे या नहीं। उन्होंने कहा, मैं बहुत जल्द इस पर फैसला लूंगा।

चीन से वापस अमेरिका लौटने के दौरान अलास्का के एंकरेज जाते वक्त एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रंप ने कहा कि दोनों नेताओं के बीच ताइवान, ईरान, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और हथियारों की बिक्री जैसे मुद्दों पर भी चर्चा हुई। जब उनसे पूछा गया कि क्या अमेरिका ताइवान की रक्षा के लिए सैनिक भेजेगा, तो उन्होंने जवाब देने से इनकार कर दिया। ट्रंप ने कहा कि इस सवाल का जवाब सिर्फ वही जानते हैं और फिलहाल वह इस पर कुछ नहीं कहना चाहते। ट्रंप ने यह भी कहा कि चीन ईरान पर होर्मुज जलडमरूमध्य को खुला रखने के लिए दबाव बना सकता है। उन्होंने कहा कि चीन अपनी लगभग 40 प्रतिशत ऊर्जा जरूरतों के लिए इसी रास्ते पर निर्भर है। वहीं अमेरिका में चीनी दूतावास ने कहा कि दोनों देशों ने रणनीतिक स्थिरता और सहयोग के साथ चीन–अमेरिका संबंधों को आगे बढ़ाने पर सहमति जताई है।

दोनों नेताओं के बीच आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर भी चर्चा हुई। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और चीन एआई के सुरक्षित इस्तेमाल के लिए मिलकर काम कर सकते हैं। उन्होंने कहा, हमने सुरक्षा के नियमों पर साथ काम करने की संभावना पर बात की। एआई बहुत शानदार तकनीक है। इससे स्वास्थ्य, चिकित्सा, ऑपरेशन्स और सेना जैसे हर क्षेत्र में इससे बहुत कुछ किया जा सकता है। ट्रंप के अनुसार, दोनों देश भविष्य में एआई से जुड़े जैविक, परमाणु और साइबर खतरों को नियंत्रित करने के लिए भी सहयोग कर सकते हैं। व्यापार के मुद्दे पर ट्रंप ने दावा किया कि चीन ने बोइंग विमानों की बड़ी खरीद का समझौता किया है। उन्होंने कहा कि चीन 200 से ज्यादा विमान खरीद सकता है और आगे यह संख्या 750 तक पहुंच सकती है। बोइंग सौदे से जुड़े विमानों के इंजनों का जिक्र करते हुए ट्रंप ने कहा, श्वे जनरल इलेक्ट्रिक के उत्पाद खरीद रहे हैं। इसके अलावा दोनों नेताओं ने परमाणु हथियारों में कमी और परमाणु निरस्त्रीकरण पर भी चर्चा की। इसमें अमेरिका, चीन और रूस की भूमिका पर बात हुई। ट्रंप ने कहा, हमने न्यूक्लियर मुक्त दुनिया बनाने का मुद्दा उठाया। यह एक ऐसा विचार है, जो बहुत ही अच्छा साबित होगा। राष्ट्रपति ने इसके अलावा यह भी बताया कि दोनों पक्षों के बीच साइबर ऑपरेशन्स और जासूसी पर खुलकर चर्चा हुई। जब उनसे अमेरिका में चीनी जासूसी के बारे में पूछा गया तो ट्रंप ने कहा, श्हम भी उन पर खूब नजर रखते हैं।

ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि उसने अपने आसपास के समुद्री क्षेत्र में चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी नेवी (पीएलएएन) के आठ नौसैनिक जहाजों और एक आधिकारिक पोत की गतिविधि दर्ज की है। मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए बताया कि सुबह छह बजे तक इन जहाजों की निगरानी की गई और ताइवान की सशस्त्र सेनाओं ने स्थिति पर नजर रखते हुए आवश्यक जवाबी कार्रवाई की। मंत्रालय के अनुसार इस दौरान ताइवान के आसपास किसी चीनी सैन्य विमान की गतिविधि नहीं देखी गई, इसलिए कोई फ्लाइट पाथ मैप जारी नहीं किया गया। इससे एक दिन पहले शुक्रवार को भी ताइवान ने सात चीनी नौसैनिक जहाजों और एक आधिकारिक पोत की मौजूदगी दर्ज की थी। ताइवान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसकी सेना लगातार क्षेत्र की निगरानी कर रही है। चीन और ताइवान के बीच तनाव लंबे समय से बना हुआ है। चीन ताइवान को अपना अभिन्न हिस्सा मानता है और एक चीन नीति के तहत उस पर दावा करता है। दूसरी ओर ताइवान खुद को एक अलग प्रशासनिक और लोकतांत्रिक इकाई के रूप में संचालित करता है, जिसकी अपनी सरकार, सेना और आर्थिक व्यवस्था है।

डोनाल्ड ट्रंप की हत्या पर 558 करोड़ का इनाम, ईरानी संसद में पेश किया जाएगा प्रस्ताव

तेहरान,एजेंसी। ईरानी मीडिया में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को लेकर एक खबर सामने आई, जिसने सबका ध्यान खींचा है। ताजा रिपोर्ट में ये दावा किया गया है कि ईरानी सरकार ट्रंप की हत्या के बदले 50 मिलियन यूरो (करीब 558 करोड़) के इनाम का एक प्रस्ताव संसद में लाने की तैयारी कर रही है। ईरान वायर के अनुसार, ईरानी संसद की राष्ट्रीय सुरक्षा और विदेश नीति समिति के चेयरमैन इब्राहिम अजीजी ने इस्लामिक रिपब्लिक की सैन्य और सुरक्षा एजेंसियों द्वारा श्काउंटर–एक्शनश नाम के योजना का मसौदा तैयार किए जाने की घोषणा की है। इस मसौदे में डोनाल्ड ट्रंप की हत्या के लिए करीब 558 करोड़ का इनाम देने का प्रस्ताव शामिल है। अजीजी ने कहा कि ट्रंप, इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और यूएस सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) के कमांडर को काउंटर–एक्शन के लिए टारगेट किया जाना चाहिए। अजीजी ने ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह अली खामेनेई की हत्या में इनकी भूमिका की वजह से उन्हें टारगेट करने की बात कही। सरकार के सपोर्टर अली अकबर राएफीपुर के मीडिया आउटलेट मसाफ ने पहले दावा किया था कि किल ट्रंप नाम के कैंपेन के लिए 50 मिलियन डॉलर (लगभग 500 करोड़) के वित्तीय रिसोर्स सुरक्षित कर लिए गए हैं। ईरान वायर ने बताया कि हैकिंग ग्रुप हंडाला ने एक बयान जारी कर दावा किया था कि समूह ने ट्रंप और नेतन्याहू को खत्म करने के लिए 50 मिलियन डॉलर (लगभग 500 करोड़) दिए। हैकिंग ग्रुप के बयान में दावा किया गया कि यह रकम किसी भी ऐसे व्यक्ति या ग्रुप को दी जाएगी जो असल कार्रवाई करेगा। उनके कम्युनिकेशन और फाइनेंशियल चौनल एन्क्रिप्शन और एनोनिमाइजेशन टेक्नोलॉजी से सुरक्षित हैं। ईरान इंटरनेशनल मीडिया के अनुसार, अजीजी ने सरकारी टीवी को बताया कि मार्च में युद्ध शुरू होने के बाद से सांसदों ने कई बिल तैयार किए हैं, जिनमें से एक सैन्य और सुरक्षा बलों द्वारा जवाबी कार्रवाई पर है। अजीजी ने कहा, श्हमारा मानना है कि अमेरिका के राष्ट्रपति, इस्राइली प्रधानमंत्री नेतन्याहू और सेंटकॉम कमांडर को निशाना बनाया जाना चाहिए और उन पर जवाबी कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा, श्यह हमारा अधिकार है। जैसे हमारे इमाम शहीद हुए, वैसे ही अमेरिका के राष्ट्रपति के साथ भी किसी भी मुस्लिम या आजाद इंसान को पेश आना चाहिए। अजीजी ने कहा कि प्रस्तावित बिल में यह तय किया गया है कि अगर कोई व्यक्ति या संगठन इस मिशन को अंजाम देता है, तो सरकार उसे इनाम के तौर पर करीब ध्558 करोड़ देने के लिए बाध्य होगी।

उधार के पैसों से घी पीने की तैयारी, आईएमएफ के फंड से रक्षा बजट में बढ़ोतरी करेगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद,संवाददाता। पाकिस्तान सरकार अगले वित्त वर्ष के बजट में रक्षा खर्च को करीब 100 अरब पाकिस्तानी रुपये बढ़ाने की योजना बना रही है। सरकार यह बजट अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (प्डथ) द्वारा समर्थित एक सुधार कार्यक्रम के तहत तैयार कर रही है, जिसमें राजस्व में भारी बढ़ोतरी का अनुमान लगाया गया है। डॉन अखबार की एक रिपोर्ट में आईएमएफ के दस्तावेजों का हवाला दिया गया है। इसके अनुसार, साल 2026–27 के लिए पाकिस्तान का रक्षा खर्च 2.665 लाख करोड़ (ट्रिलियन) पाकिस्तानी रुपये रहने का अनुमान है। पिछले साल यह खर्च 2.564 लाख करोड़ रुपये था। रिपोर्ट में कहा गया है कि आईएमएफ ने 2026–27 के लिए पाकिस्तान के कुल संघीय राजस्व का अनुमान 17.144 ट्रिलियन पाकिस्तानी रुपये लगाया है, जो मौजूदा वित्त वर्ष से 2 ट्रिलियन पाकिस्तानी रुपये से भी अधिक है। इसमें 13.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी को दर्शाता है। इसमें यह भी कहा गया है, पाकिस्तान सरकार ने संघीय और प्रांतीय सरकारों के कुल खर्च में जीडीपी के 0.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी करने की बात कही है। यह खर्च कुल 4.227 लाख करोड़ रुपये होगा। इसके अलावा, सरकार ने जून 2027 तक सभी सरकारी भुगतानों को पूरी तरह डिजिटल बनाने का लक्ष्य रखा है। आईएमएफ के सुधारों के हिस्से के रूप में, सरकार इस साल के अंत तक भ्रष्टाचार की सबसे ज्यादा आशंका वाले 10 संस्थानों की पहचान करेगी। इन संस्थानों का विशेष ऑडिट और विश्लेषण किया जाएगा। साथ ही, राज्यों की भ्रष्टाचार विरोधी संस्थाओं को भी और ताकत दी जाएगी।

नाइजीरिया में मारा गया आईएसआईएस का दूसरा सबसे बड़ा कमांडर अबू–बिलाल अल–मिनुकी, राष्ट्रपति ट्रंप ने दी जानकारी

वॉशिंगटन,एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को एक बड़ी सैन्य कार्रवाई की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अमेरिकी सेना ने नाइजीरिया में आईएसआईएस के दूसरे सबसे बड़े वैश्विक कमांडर अबू–बिलाल अल–मिनुकी को खत्म कर दिया है। यह आतंकी पूरी दुनिया में आईएसआईएस का दूसरा सबसे बड़ा नेता माना जाता था। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर इस खबर को साझा किया। उन्होंने बताया कि यह एक बहुत ही जटिल और सुनियोजित मिशन था। अमेरिकी सेना और नाइजीरियाई सशस्त्र बलों ने मिलकर इस ऑपरेशन को पूरी सटीकता के साथ अंजाम दिया। ट्रंप ने अल–मिनुकी को दुनिया का सबसे सक्रिय आतंकवादी बताया। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि अल–मिनुकी को लगा था कि वह अफ्रीका में छिप सकता है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।